सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 94 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 16 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

हाईवा ने बाइक-सवारों को कुचला, तीन की मौत

रायपुर। आरंग में सड़क हादसे में 6 साल के मासूम समेत 3 लोगों की मौत हो गई। नेशनल हाईवे 53 पर शुक्रवार सुबह यह हादसा हुआ। परिवार बाइक पर सवार होकर मछली पकड़ने निकले था तभी मुरूम से भरे हाईवा ने उन्हें कुचल दिया। आरोपी ड्राइवर हाईवा छोड़कर भाग गया। मृतकों में श्रवण जलक्षत्री (40) पिता, मंगलू जलक्षत्री (28) पुत्र और तिलक जलक्षत्री (6) पुत्र शामिल हैं।

रायपुर के कारोबारी से 11 करोड़ की ठगी

रायपुर। राजधानी के एक कारोबारी से 11 करोड़ 51 लाख की ठगी हुई है। बताया जा रहा है सरस्वती नगर इलाके में रहने वाले कारोबारी विकास कुमार गोयल की बंधक जमीन बेचकर आरोपियों ने उनसे पैसे ठगे। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है। आरोपियों में विकास कुमार गोयल, नारायण प्रसाद, राघवेंद्र चंद और नीना जैन शामिल है। जिनके खिलाफ पुलिस जांच कर रही है।

20 जनवरी को होगी भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए पार्टी ने नोटिफिक्रेशन जारी कर दिया है। 19 जनवरी को इसके लिए नामांकन भरा जाएगा। 20 जनवरी को भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। पिछले साल 14 दिसंबर को नितिन नबीन को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया था। 2020 में जेपी नड्डा को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया था।

विकसित भारत बिल्डथॉन के लिए समिति का गठन

एमसीबी। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा संचालित विकसित भारत बिल्डथॉन-2025 कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले में जिला स्तरीय निर्णायक समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे को अध्यक्ष तथा जिला शिक्षा अधिकारी आरपी मिरे को सचिव नियुक्त किया गया है। समिति के अन्य सदस्यों में अंकिता मरकाम, आदित्य शर्मा, सुनील गुप्ता, श्रीकांत लॉजेवार, गणेश यादव, गौरव त्रिपाठी, विपिन पाण्डेय, जसवंत डहरिया तथा सोनू सिंह उरांव शामिल हैं।

भारत न्यूजीलैंड मैच के लिए टिकटों की बिक्री जारी

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 23 जनवरी को भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 मैच खेला जाएगा। इसके लिए स्टूडेंट काउंटर ओपन है। स्टूडेंट इंडोर स्टेडियम जाकर टिकट ले सकते हैं। स्टूडेंट टिकट का रेट 800 रुपए है। एक आईडी पर केवल एक टिकट मिलेगा। अन्य कैटेगरी के लिए के गुरुवार को टिकट विंडो खोली गई। 2500, 3000 और 3500 वाली टिकटों को फिलहाल लेवाल नहीं मिल रहे जबकि 2000 वाली टिकट विंडो ओपन होने के छह मिनट के भीतर ही खत्म गई थीं।

भिलाई के गौकरण को प्रेसिडेंट का बुलावा, 26 को राष्ट्रपति भवन में करेंगे डिनर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शरीरिक अक्षमताओं की बाधा को पार कर भिलाई के दिव्यांग गौकरण पाटिल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भिलाई के बहुविकलांग गौकरण को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बुलावा आया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में चाय और भोजन के लिए आमंत्रित किया है।

दिव्यांग गौकरण पाटिल बोल व सुन नहीं सकते और दोनों हाथ भी नहीं हैं। गौकरण अपने पैरों से चित्रकारी करते हैं और अपनी अनोखी चित्रकारी के कारण चर्चा में हैं। उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचानते हुए भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आमंत्रण मिला है। राष्ट्रपति से आमंत्रण मिलना गौकरण और उनके परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। राष्ट्रपति भवन से आमंत्रण पत्र मिलने के बाद, गौकरण

24 जनवरी को अपने परिवार के साथ दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे हैं।

बहुविकलांग होने के बाद भी नहीं छोड़ा हौसला

गौकरण का बचपन से ही बहुविकलांग होना उनके हौसले को पस्त नहीं कर सका। उन्होंने अपने पैरों को ही अपने कला के माध्यम के रूप में चुना। परिवार के पूर्ण सहयोग से उन्होंने प्रयास मूकबधिर स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त की और उत्तर प्रदेश के चित्रकूट से मास्टर ऑफफाइन आर्ट की डिग्री हासिल की। इसके बाद, उन्होंने अपने पैरों से अद्भुत पेंटिंग और ड्राइंग बनाना शुरू कर दिया। उनकी कलाकृतियों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनसुईया उइके और अमिताभ बच्चन जैसी हस्तियों के चित्र शामिल हैं, जिन्हें उन्होंने न केवल बनाया बल्कि उनसे सराहना भी प्राप्त की। गौकरण अपने दैनिक कार्य अपने पैरों के सहारे ही करते हैं। वे रायपुर में मूकबधिर स्कूल के बच्चों को पढ़ा भी रहे हैं। घर वालों पर बोझ न बनकर वे आत्मनिर्भरता का एक मिसाल पेश कर रहे हैं।

48 घंटों में 81 नक्सलियों ने किया सरेंडर सीएम साय ने दोहराई 31 मार्च की डेट

बीजापुर में 52 नक्सलियों ने डाले हथियार, सरेंडर नक्सलियों पर डेढ़ करोड़ का था इनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। पिछले 48 घंटों में 81 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। ताजा मामले में 'पूना मारगेम' के अंतर्गत साउथ सब ज़ोनल ब्यूरो से जुड़े 52 माओवादी कैडरों ने हिंसा और हथियारों का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा विकास की मुख्यधारा को अपनाया है। इन पर कुल 1.41 करोड़ का इनाम घोषित था, जिससे यह आत्मसमर्पण अभियान अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल हो गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे हिंसा की विचारधारा पर विश्वास की निर्णायक विजय बताया और कहा कि पिछले 48 घंटों में कुल 81 नक्सलियों का आत्मसमर्पण इस बात का स्पष्ट संकेत है कि माओवाद अब केवल कमजोर नहीं पड़ रहा, बल्कि पूरी तरह बिखर रहा है।

सुकमा में 29 नक्सलियों ने किया था सरेंडर

एक दिन पहले सुकमा जिले में 29 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण के समक्ष इन नक्सिलयों समर्पण किया। इस अवसर पर, पुलिस प्रशासन द्वारा उन्हें सरकार की पुनर्वास नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें नक्सलियों को समाज में पुनः स्थापित होने और बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

नक्सल सपोर्ट सिस्टम हुआ ध्वस्तः सीएम साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में अब माओवादी संगठन के साथ-साथ उसकी विकृत विचारधारा और उसका पूरा सपोर्ट सिस्टम भी ध्वस्त हो चुका है। जहाँ कभी भय, भ्रम और दबाव का माहौल था, वहाँ अब शासन की सशक्त उपस्थिति, सुरक्षा बलों की सक्रियता और विकास योजनाओं की प्रभावी पहुँच ने लोगों में भरोसा पैदा किया है। पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान के तहत सरकार उन सभी भटके युवाओं को सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा और आजीविका के अवसर उपलब्ध करा रही है, जो हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, और यह व्यापक आत्मसमर्पण उसी भरोसे का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

निर्णायक लक्ष्य की ओर संकल्प

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन को इस सफलता का आधार बताते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल-मुक्त भारत का संकल्प अब तेज़ी से निर्णायक लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि छत्तीसगढ़ में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि बस्तर में अब भय की जगह भविष्य आकार ले रहा है, जहाँ सड़कें, स्कूल, स्वास्थ्य सेवाएँ, आजीविका और शासन की पहुँच लगातार मजबूत हो रही है।

कस्टम मिलिंग में गड़बड़ीः मुंगेली में 14 राइस मिल सील

■ 12 हजार क्विंटल से अधिक धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी के बीच मुंगेली जिले में कस्टम मिलिंग को लेकर गड़बडी पाई गई। जिला प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। जिले की 14 राइस मिलों को सील करने के साथ ही 12 हजार क्विंटल से अधिक धान जब्त किया गया है।

गुरूवार को मुंगेली जिले में पुलिस एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम की जांच में कस्टम मिलिंग में गंभीर गड़बड़ियां पकड़ में आई। उपलेटा राइस मिल, नवागांव घुठेरा रोड स्थित नेशनल दाल मिल, पंडरिया रोड स्थित वर्धमान मिलिंग इंडस्ट्रीज, जैन राइस इंडस्ट्रीज तथा नवकार दाल उद्योग में कस्टम मिलिंग में अनियमितता पाई गई, जहां से 12 हजार क्विंटल से अधिक धान जब्त किया गया। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ चावल उपार्जन आदेश एवं मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 19 राइस मिलों पर कार्रवाई की जा रही है, जिनमें से 14 राइस मिलों को सील किया जा चुका है।

उत्तर छत्तीसगढ़ के 6 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर अभी बना हुआ है। उत्तर छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में अगले दो दिन तक शीतलहर चल सकती है। अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, इसके बाद तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, सरगुजा और जशपुर में एक-दो पॉकेट में शीतलहर का अलर्ट है। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30 डिग्री(दुर्ग) और सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री (अंबिकापुर) दर्ज किया गया।

1.46 करोड़ का धान पकड़ाया, 10 पर केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में 1.46 करोड़ का अवैध धान पकड़ाया है। गुरुवार रात रानीतालाव-पाटेकोहरा के बीच पुलिस ने नाकेबंदी कर चेकिंग की। इस दौरान महाराष्ट्र से आ रहे 6 बड़े ट्रकों को रोका गया। इसके साथ ही अलग-अलग चेकपोस्ट पर धान लोड 4 गाड़ी पकड़ाई।

जांच करने पर सभी गाड़ियों में धान मिले, जिसका कोई दस्तावेज नहीं था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी गाड़ियों को जब्त किया और 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर अंतर्राज्यीय सीमाओं 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। इसी निर्देश के बाद चेकपोस्ट और नाकों पर पुलिस की तैनाती थी। 15 जनवरी की रात पाटेकोहरा बैरियर और एनएच 53 पर चेकिंग के दौरान महाराष्ट्र की ओर से आ रहे 6 बड़े ट्रकों को रोका गया। जांच करने पर इन ट्रकों में अवैध रूप से लाया जा रहा धान मिला। संबंधित ड्राइवरों के पास धान के कोई दस्तावेज नहीं मिले।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने पीएचसी का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कबीरधाम प्रवास पर नगर पंचायत बोड़ला में आयोजित हिन्दू संगम कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोड़ला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ओपीडी कक्ष, सोनोग्राफी कक्ष, आपातकालीन चिकित्सा सेवा, अंत: रोगी कक्ष, पैथोलॉजी कक्ष, एक्स-रे कक्ष, दवा वितरण कक्ष व प्रसव कक्ष का निरीक्षण किया।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान सात भर्ती मरीज (शिशुवती माताओं) को जच्चा-बच्चा किट का वितरण किया। मंत्री ने भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में हाल चाल पूछा। श्याम बिहारी जायसवाल ने जनप्रतिनिधियों व ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) बोड़ला के आग्रह पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन मरम्मत के लिए मौके पर ही 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की। मंत्री ने निर्देशित किया कि अस्पताल परिसर की साफ-सफाई रखी जाए व निर्धारित चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जाए, ताकि वनांचल क्षेत्र के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सतत उपलब्ध हो सकें।

बिलासपुर में सड़क ठेकेदार के ठिकाने पर आयकर विभाग की रेड

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सड़क ठेकेदार के ठिकानों पर आईटी की रेड पड़ी है। आयकर की टीम पाराघाट टोल प्लाजा स्थित में टोल ऑफिस में पहुंची है। अधिकारी 3 अलग-अलग गाड़ियों में पहुंचे हैं। दस्तावेजों की जांच के साथ ही पूछताछ कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इंदौर में भी अलग-अलग ठिकानों पर छापा पड़ा है। कंपनी के सपना-संगीता रोड स्थित कार्यालय और कंपनी के डायरेक्टर के घर पर जांच चल रही है। इनकम टैक्स विभाग को कंपनी के कामकाज, बड़े पैमाने पर लेन-देन और टैक्स में गड़बड़ी से संबंधित सूचनाएं मिली थीं।

छत्तीसगढ़ में शादी का रजिस्ट्रेशन जरूरी, सात दिन में बनेगा सर्टिफिकेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विवाह का पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार के विधि-विधायी कार्य विभाग ने इस संबंध में राजपत्र में अधिसूचना जारी कर दी है। आदेश के अनुसार, जिन दंपती का विवाह 29 जनवरी 2016 के बाद हुआ है, उन्हें निर्धारित समय-सीमा के अंदर अनिवार्य रूप से विवाह पंजीयन कराना होगा।

सरकार ने विवाह पंजीयन को अनिवार्य करने के पीछे कारण बताते हुए कहा है कि इससे फर्जी और दिखावटी शादियों पर रोक लगेगी। इसके अलावा बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं पर नियंत्रण होगा और महिलाओं के कानूनी अधिकार मजबूत होंगे। विवाह पंजीयन नगर निगम, नगर पालिका, जनपद

पंचायत या अधिकृत ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कराया जा सकता है। अगर आप नगर निगम क्षेत्र में रहते हैं तो आपका पंजीयन नगर निगम कार्यालय में होगा।

इसके अलावा चॉइस सेंटर के जरिए भी विवाह पंजीयन कराया जा सकता है। शादी के एक महीने के अंदर पंजीयन कराने पर शुल्क 20 रुपए है। अगर पंजीयन एक माह के बाद कराया जाता है, तो इसके लिए 520 रुपए देना होगा। अगर कोई आवेदक मैरिज सर्टिफिकेट बनवाना चाहता है तो वह मूल रूप से भारतीय नागरिक होना चाहिए। साथ ही पति-पत्नी की उम्र भारतीय कानून के मुताबिक होनी चाहिए।

शादी के एक माह के भीतर करना होगा आवेदन

विवाह के एक महीने के भीतर मैरिज सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। हालांकि, उसके बाद भी मैरिज सर्टिफिकेट के लिए कभी भी अप्लाई किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए लेट फीस के साथ-साथ मैरिज रजिस्ट्रार से विशेष अनुमति लेनी होती है। अगर आवेदक का विवाह पहले हुआ था और अब तलाक हो गया है तो उसे नए विवाह के लिए पहले तलाक का प्रमाणपत्र लगाना होगा।

डॉक्टर ने सड़क पर मिले 69500 रुपयों से भरा बैग पुलिस को सौंपा, पोस्ट ऑफिस कर्मी को मिली रकम

बालोद। बालोद जिले के राजहरा में एक डॉक्टर को सड़क पर रुपयों से भरा बैग मिला, जिसे उन्होंने अपनी नैतिकता का परिचय देते हुए सुरक्षित थाने पहुंचाया और अंतत: वह राशि उसके असली हकदार तक पहुंच गई।

जानकारी के अनुसार, साल्हे पोस्ट ऑफिस में कार्यरत वरुण ठाकुर उपभोक्ताओं से जमा की गई राशि लेकर ऑफिस जा रहे थे। इसी दौरान निर्मला स्कूल के पास एक सड़क ब्रेकर पर उनकी बाइक झटके से उछली और पैसों से भरा बैग सड़क पर गिर गया। उसी मार्ग से गुजर रहे कोण्डे पावर हाउस अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर सुरेंद्र साहू की नजर लावारिस पड़े बैग पर पड़ी। जब उन्होंने बैग खोलकर देखा तो उसमें भारी मात्रा में नगदी थी। डॉक्टर साहू ने बिना देर किए बैग उठाया और सीधे राजहरा थाना पहुंचे। बैग की जांच करने पर पुलिस को उसमें रुपयों के साथ एक पोस्ट ऑफिस की पर्ची भी मिली। राजहरा थाना पुलिस ने पर्ची के आधार पर पोस्ट ऑफिस में संपर्क किया। जांच के बाद पुलिस ने वरुण ठाकुर को थाने बुलाकर शिनाख्त की। पुष्टि होने के बाद वरुण को उनके 69,500 रुपये सुरक्षित सौंप दिए गए।

लो फिर आ गई सांकल धागे की याद

जब हम छोटे थे तब एक सांकल धागा आता था। शायद एक या दो रुपए की रील आती थी। इतने पैसे भी पास नहीं होते थे। इसलिए जब कोई सांकल छाप धागा खरीदकर लाता था तो हमारे कलेजे में छाले पड़ जाते थे। सांकल छाप धागे की जरूरत पतंग उड़ाने के लिए होती थी। यह धागा सांकल की तरह ही मजबूत होता था। वह पतंग लड़ाने का जमाना था। इसे और मजबूत और घातक बनाना भी जरूरी होता था। ठीक उसी तरह जैसे लट्टू की कील (गुच) को बदलकर मोटी कील डाला जाता था और उसे किसी हथियार की तरह पैना किया जाता था। पतंग उड़ाने की डोर को धार देने के लिए कांच के चूरे का इस्तेमाल किय जाता था। पुराने फ्यूज बल्ब और ट्यूबलाइट को फोड़कर उसे सिल बट्टे पर महीन पीसा जाता। इसे चावल के माड़ या साबूदाने में मिलाकर बाइंडर तैयार किया जाता। इसके बाद इसे धागे पर चढ़ाया जाता। पतंग लड़ाई में यह मांझा बहुत काम आता था। कभी कभार इससे लोग घायल भी हो जाते थे। खासकर साइकिल सवार जो बिना डोर को देखे आगे बढ़ जाते थे। कभी-कभी बनाने वाला भी घायल हो जाता। उन दिनों बच्चे अपनी पतंग भी खुद ही बनाया करते थे। स्किल डेवलपमेंट का ऐसा अभ्यास अब नहीं देखने को मिलता। भिलाई शहर में खुली जगह की कमी नहीं थी। बावजूद इसके सड़कों पर भी लोग पतंग उड़ाया करते थे। कटी हुई पतंग को लूटने के लिए भी बच्चे झाड़ी-कांटे को अंधों तरह फांदते हुए भागते थे। गिरते पड़ते भी थे। घुटने छिल जाते थे। पर क्या मजाल जो किसी के आंसू निकले हों। पर वह दौर बीत गया। अब लोग पतंग भी उड़ाते हैं तो क्रियाकर्म की तरह। मकरसंक्रांति पर भी पतंग उड़ाई जाती है। भिलाई सहित देश भर में इसके बड़े आयोजन भी होते रहे हैं। लोग एक मैदान में इकट्ठा होकर थोड़ी देर के लिए पतंग उड़ाते हैं। झिल्ली प्लास्टिक के पतंग खरीदे जाते हैं। डोर भी खरीदकर ले आते हैं। बाजार में जो सस्ता होता है, वही बिकता है। इस मामले में चीन का मुकाबला कौन करे?

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता स्वीकृत

कांकेर। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते आकाशीय बिजली गिरने एवं तालाब में डूबने से मृत्यु होने के दो प्रकरण में मृतक के आश्रितों के लिए चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। कांकेर तहसील के ग्राम पुसवाड़ा निवासी 41 वर्षीय सकन बाई नेताम की आकाशीय बिजली गिरने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके निकटतम आश्रित ममता और दीपक के लिए चार लाख रुपए तथा ग्राम किरगोली निवासी 3 वर्षीय नित्या उसेंडी की तालाब में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके माता-पिता टेश्वर और रेवती के लिए चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि कलेक्टर द्वारा स्वीकृत की गई है।

संपादकीय

कॉलेज का कलेजा

विरासत से दयाल सिंह की बेदखली अनुचित

दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने की कोशिशें उन्नीसवीं सदी के एक दूरदर्शी और परोपकारी सरदार दयाल सिंह मजीठिया जी की स्मृति और विरासत की घोर अवहेलना को ही दर्शाती हैं। यह कॉलेज उन्हीं के नाम पर दिल्ली में स्थापित और प्रतिष्ठित है। 'द ट्रिब्यून' और 'पंजाब नेशनल बैंक' के संस्थापक रहे सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष व समावेशी कॉलेज की स्थापना का स्वप्न साकार करना चाहा, जहां जनहित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित इस संस्थान का समृद्ध इतिहास 1910 से तब शुरू होता है, जब मजीठिया जी के निधन के बारह वर्ष बाद लाहौर में इसकी स्थापना हुई थी। लेकिन आज कॉलेज प्रबंधन की ओर से दलील दी जा रही है कि एक ही नाम से डे कॉलेज और इवनिंग कॉलेज संचालित नहीं किए जा सकते हैं। यह कहना तार्किक नहीं लगता कि नाम बदलने से प्रशासनिक कार्यों में किसी भी तरह की सुविधाजनक स्थिति भी बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, यह कॉलेज के कलेजे रूपी गरिमामय विरासत और जनभावनाओं को नजरअंदाज करने जैसा है। यहां यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि इस बदलाव की कोशिशों के कानून पहलू भी ऐसा करने की इजाजत नहीं देते। दरअसल, वर्ष 1978 में हस्तांतरण डीड की धारा 12, जिसके तहत ही दिल्ली विश्वविद्यालय यानी डीयू ने कॉलेज का अधिग्रहण किया था, में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि 'संस्थान दयाल सिंह कालेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा।' इस धारा का उल्लंघन करने की स्थिति में भूमि अधिकार छीनने और जबरन विस्थापन जैसी गंभीर कार्रवाई भी की जा सकती है। निश्चित रूप से इस तरह का जोखिम कोई भी जिम्मेदार प्रशासन हल्के में नहीं लेना चाहेगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संकाय सदस्यों को सिख योद्धा बंदा सिंह बहादुर के नाम पर कॉलेज का नाम बदलने के प्रस्ताव की जानकारी तब मिली जब पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति ने वीर बाल दिवस के मौके पर इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी।

> यह कहना तार्किक नहीं लगता कि नाम बदलने से प्रशासनिक कार्यों में किसी भी तरह की सुविधाजनक स्थिति भी बन सकती है। वहीं दूसरी ओर, यह कॉलेज के कलेजे रूपी गरिमामय विरासत और जनभावनाओं को नजरअंदाज करने जैसा है। यहां यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि इस बदलाव की कोशिशों के कानून पहलू भी ऐसा करने की इजाजत नहीं देते। दरअसल, वर्ष 1978 में हस्तांतरण डीड की धारा 12, जिसके तहत ही दिल्ली विश्वविद्यालय यानी डीयू ने कॉलेज का अधिग्रहण किया था, में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि संस्थान दयाल सिंह कालेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा।

यहां उल्लेखनीय है कि दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज एक कालखंड की गरिमामय स्मृतियों को सहेजे हुए है। भारत मां के महान सपूत सरदार दयाल सिंह मजीठिया ने अपने सारी संपत्ति समाज के लिये समर्पित कर दी थी। उन्होंने अपना जीवन एक स्वतंत्र प्रेस, उत्तर भारत में शिक्षा के प्रसार के लिये एक उच्चस्तरीय कॉलेज तथा जागरूकता के लिये पुस्तकालय की स्थापना के लिये लगाया। जिसका मकसद समाज में प्रगतिशील सोच विकसित करना और अज्ञानता को समाप्त करना ही था। ऐसे में एक पुनीत उद्देश्य के लिये स्थापित कॉलेज का नाम बदलने का प्रबंधनतंत्र द्वारा इस तरह का एकतरफा निर्णय विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत को ही कमजोर करता है। जिसका मूल उद्देश्य परामर्श और आम सहमति से कार्य करना होता है। इन कोशिशों के बीच कॉलेज के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने ऐसे किसी प्रयास का विरोध करने का फैसला किया है। कर्मचारी संघ द्वारा पारित प्रस्ताव में कॉलेज की पहचान और भविष्य को प्रभावित करने वाले इस कदम को लेकर असंतोष जताया गया है। छात्रों में भी इस बात को लेकर रोष देखा गया है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान केवल ज्ञान का केंद्र ही नहीं होता, बल्कि सामूहिक स्मृति का संरक्षक भी होता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में भी महाविद्यालय का नाम बदलकर 'वंदे मातरम? महाविद्यालय ' रखने का प्रयास किया गया था। लेकिन यह प्रयास हितधारकों के विरोध के चलते सिरे नहीं चढ़ सका था। अब बदलाव की कोशिश करने वालों को पिछले असफल प्रयास को एक सबक के रूप में देखना चाहिए था। दिल्ली विश्वविद्यालय को ऐसे किसी प्रयास से पहले विचार विमर्श करने तथा चिंतन करने की आवश्यकता है। खासकर, ऐसे वक्त में जब एक महान व्यक्तित्व का नाम और साथ ही एक सदी से अधिक की शैक्षणिक और नैतिक विरासत दांव पर लगी हो।

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देती है स्टार्टअप इंडिया की पहल

श्री पीयूष गोयल

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है। भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। आज उद्यमिता एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन चुकी है, जो भारत के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है और विकास व रोजगार सृजन का नया इंजन बन रही है। यह परिवर्तन रातोंरात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से स्टार्टअप इंडिया की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे।

16 जनवरी 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप इंडिया ने लंबा सफर तय किया है। स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आईटी सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं। यह व्यापकता विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और मजबूती को दर्शाती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नवाचार और एआई: पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव नवाचार और गहन तकनीक पर बढ़ते ध्यान के रूप में देखा गया है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुँच गई है, और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। प्रधानमंत्री की डिजिटल इंडिया पहल के आधार पर एआई स्टार्टअप्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की गई है, तथा इंडिया एआई मिशन और रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। बौद्धिक संपदा के निर्माण में तेज़ वृद्धि इस प्रवृत्ति को और मजबूत करती है। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

अखिल भारतीय विकास: उद्यमिता को देशभर में मिल रहा समर्थन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 2016 में केवल चार राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जो संस्थागत समर्थन की मजबूती और जमीनी स्तर की भागीदारी को दर्शाता है। अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है।

समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर-मेट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर-2 और टियर-3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। लोकल से ग्लोबल: जैसे-जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाज़ार बनती जा रही है। वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को समर्थन देने के लिए स्टार्टअप इंडिया ने मजबूत अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां बनाई हैं। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यूके, जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इज़राइल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाज़ार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं। स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, न्यूज़ीलैंड और इज़राइल की मेरी हालिया यात्राओं में स्टार्टअप्स भारत के व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का अहम हिस्सा रहे। इन प्रयासों ने वैश्विक मंच पर भारतीय नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर दिया, साथ ही हमारे उद्यमियों को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की नवाचार और व्यापारिक कार्यप्रणालियों से परिचित कराया।

सुधार और बाज़ार तक पहुंच: इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी सुधारना एक मुख्य आधार रहा है। पात्र स्टार्टअप अपने पहले दस वर्षों में से किसी भी तीन लगातार वर्षों के लिए कर अवकाश का लाभ ले सकते हैं। अब तक 4,100 से अधिक स्टार्टअप्स को इसके लिए पात्रता प्रमाणपत्र मिल चुके हैं। 60 से अधिक नियामकीय सुधारों के माध्यम से अनुपालन का बोझ कम किया गया है, पूंजी जुटाने को आसान बनाया गया है और घरेलू संस्थागत निवेश को मजबूत किया गया है। एंजेल टैक्स को समाप्त करने और वैकल्पिक निवेश कोषों (एटीएफ) के लिए दीर्घकालिक पूंजी के रास्ते खोलने से स्टार्टअप फंडिंग का पारिस्थितिकी तंत्र और सशक्त हुआ है। बाज़ार तक पहुंच को प्राथमिकता दी गई है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जैम) के माध्यम से 35,700 से अधिक स्टार्टअप्स को जोड़ा गया है, जिन्हें 51,200 करोड़ से अधिक मूल्य के पांच लाख से ज्यादा ऑर्डर मिले हैं। इन प्रयासों के साथ मजबूत वित्तीय सहयोग भी दिया गया है। स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स योजना के तहत वैकल्पिक निवेश कोषों के जरिए 25,500 करोड़ से अधिक का निवेश किया गया है, जिससे 1,300 से अधिक उद्यमों को लाभ मिला है। इसके अलावा, स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी योजना के अंतर्गत 800 करोड़ से अधिक के बिना जमानत ऋण की गारंटी दी गई है।

945 करोड़ के परिव्यय वाली स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना के तहत स्टार्टअप्स को कॉन्सेप्ट की जाँच, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाज़ार में प्रवेश और व्यवसायीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सांस्कृतिक बदलाव: भारतीय स्टार्टअप्स ने देश में एक बड़ा सांस्कृतिक परिवर्तन लाया है। पहले बच्चों को मुख्य रूप से सरकारी नौकरी, इंजीनियरिंग या चिकित्सा जैसे कुछ ही क्षेत्रों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था। आज कई युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने का सपना देख रहे हैं, और उनके परिवार भी उद्यमशील आकांक्षाओं का सम्मान करते हैं और उन्हें बढ़ावा देते हैं। अंततः भारत की स्टार्टअप यात्रा: हमारे युवा उद्यमियों पर विश्वास, नीति-आधारित विकास और दुनिया के लिए नवाचार करने की भारत की क्षमता की कहानी है। 2047 तक एक विकसित देश बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, स्टार्टअप्स समृद्ध, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत के निर्माण में केंद्रीय भूमिका निभाते रहेंगे।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

शिक्षक के सम्मान को महत्व देती नई शिक्षा नीति

डॉ सुधीर कुमार

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर अधिकतर चर्चाएं पाठ्यक्रम और परीक्षा के पैटर्न पर होती हैं, लेकिन इस महायोजना के केंद्र में सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ शिक्षक है। यह नीति स्वीकार करती है कि कोई भी सुधार तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक उसे लागू करने वाला शिक्षक सशक्त, संतुष्ट और सम्मानित महसूस न करे।

शिक्षा किसी भी जीवंत राष्ट्र की वह नींव होती है जिस पर उसकी प्रगति का भव्य महल खड़ा होता है। भारत ने वर्ष 2020 में अपनी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये इसी नींव को आधुनिक, लचीला और वैश्विक बनाने का संकल्प लिया है। अक्सर चर्चाएं केवल छात्रों के पाठ्यक्रम और परीक्षा के पैटर्न पर सिमटकर रह जाती हैं, लेकिन इस महायोजना के केंद्र में सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ शिक्षक है। यह नीति इस सत्य को स्वीकार करती है कि कोई भी सुधार तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक उसे लागू करने वाला शिक्षक सशक्त, संतुष्ट और सम्मानित महसूस न करे।

पुरानी शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ी शिकायत यह रही कि शिक्षक प्रशासनिक कार्यों और जटिल डेटा एंट्री के बोझ तले दबे रहते थे। एनईपी 2020 इस व्यवस्थागत जड़ता को तोड़ने का वादा करती है। नीति में स्पष्टतया 'रोडमैप' तैयार किया गया है जो शिक्षकों को उन गैर-शैक्षणिक गतिविधियों से मुक्ति दिलाने की बात करता है जो उनके मूल धर्म ङ्कपढ़ाने- में बाधा डालते हैं। नीति का मानना है कि शिक्षक की ऊर्जा का निवेश केवल फाइलों में नहीं, बल्कि छात्रों के मस्तिष्क में कौतूहल पैदा करने में होना चाहिए। यह बदलाव शिक्षकों को वह रचनात्मक आजादी देगा, जिसकी वे दशकों से प्रतीक्षा कर रहे थे। अब वे कक्षा में सिर्फ एक तय पुस्तक तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मौलिक नए प्रयोग करेंगे।

एक उत्कृष्ट शिक्षक वह है जो हमेशा एक जिज्ञासु 'विद्यार्थी' बना रहता है। नई नीति ने इस विचार को 'नेशनल प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर टीचर्स' के माध्यम से संस्थागत रूप दिया है। पहली बार भारतीय शिक्षकों के कार्यों का एक ऐसा पैमाना तय किया जा रहा है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की बराबरी करेगा। इससे हमारे शिक्षकों को वैश्विक पहचान मिलेगी। इसके समानांतर, सतत व्यावसायिक विकास के जरिये प्रत्येक शिक्षक को अपनी रुचि अनुसार साल में न्यूनतम 50 घंटे आधुनिक प्रशिक्षण का हक दिया गया है। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और समावेशी शिक्षा जैसे विषयों में पारंगत करने का मंच होगा। जब शिक्षक का ज्ञान आधुनिक होगा, तो कक्षा में उनका आत्मविश्वास और प्रभाव स्वत: बढ़ जाएगा।

एनईपी 2020 शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया में व्यापक सुधार की वकालत करती है। अब शिक्षक भर्ती केवल अंकों की दौड़ तक सीमित नहीं होगी। इसमें साक्षात्कार और कक्षा में पढ़ाने के प्रत्यक्ष प्रदर्शन को शामिल किया जाना इस पेशे की गंभीरता दर्शाता है। इसका बड़ा लाभ यह कि भविष्य में आपके सहकर्मी वे लोग होंगे जो असल में 'शिक्षण के प्रति जुनूनी' हैं। जब स्टाफरूम में समान विचारधारा वाले और योग्य सहकर्मी होंगे, तो कार्यस्थल संस्कृति में क्रांतिकारी सुधार आएगा। यह नीति सुनिश्चित करती है कि शिक्षण का पेशा सबसे मेधावी युवाओं की प्राथमिकता बने। योग्य सहकर्मी आने से कार्यभार साझा होगा और स्वस्थ शैक्षणिक माहौल बनेगा।

भारतीय संस्कृति में अनुभव को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। एनईपी 2020 इसी परंपरा को 'नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग' के माध्यम से पुनर्जीवित कर रही है। यह ऐसा अनूठा सेतु है जो सेवानिवृत्त और अनुभवी शिक्षकों को नए शिक्षकों के साथ जोड़ता है। अक्सर सेवा के बाद शिक्षकों का विशाल अनुभव व्यर्थ चला जाता था, लेकिन अब उन्हें समाज के 'बौद्धिक संरक्षक' के रूप में नई भूमिका मिलेगी। वरिष्ठ शिक्षकों का मार्गदर्शन नए शिक्षकों के लिए सुरक्षा कवच जैसा होगा, जो उन्हें कैरियर की शुरुआती चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा।

शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर नयी नीति ने 'मेरिट-आधारित' तंत्र का प्रस्ताव दिया है। अब पदोन्नति का रास्ता केवल वर्षों की सेवा से होकर नहीं गुजरेगा, बल्कि शिक्षक के शोध, नवाचार और छात्रों की प्रगति से तय होगा। यह उन शिक्षकों के लिए स्वर्णिम अवसर है जो अपनी शिक्षण पद्धति बेहतर बनाने में लगे रहते हैं। साथ ही, उच्च शिक्षा में शिक्षकों को लचीली कार्यसंस्कृति मिलेगी। यदि कोई शिक्षक अनुसंधान में उत्कृष्ट है, तो वह उस दिशा में बढ़ सकता है, और यदि किसी का झुकाव अध्यापन की ओर है, तो वह उसमें विशेषज्ञता हासिल करे।

अक्सर क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को वह दर्जा नहीं मिलता था जो अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों को मिलता था। एनईपी 2020 ने इस भाषाई भेदभाव को खत्म कर दिया। नीति ने मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देकर उन शिक्षकों का सम्मान बढ़ाया है जो अपनी मिट्टी की भाषा में ज्ञान देने में माहिर हैं। इसके साथ ही, टेक्नोलॉजी को शिक्षक के 'सहयोगी' के रूप में पेश किया गया है। 'दीक्षा' और 'स्वयं' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म शिक्षकों को वह कंटेंट और टूल्स दे रहे हैं जिन्हें तैयार करने में पहले घंटों लगते थे। टेक्नोलॉजी उन्हें प्रशासनिक कार्यों से बचाकर वह समय देगी जिसमें वे छात्रों के 'मेंटोर' बन सकें।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि. के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

दक्षिण में चुनावी बयार और भाषा की राजनीति

प्रमोद जोशी

तमिलनाडु में इन दिनों दो फिल्में चर्चा का विषय हैं। एक है फिल्म अभिनेता से राजनेता बने विजय की 'जन नायकन' और दूसरी शिवकार्तिकेयन की 'पराशक्ति।' दक्षिण भारतीय फ़िल्मों के सुपरस्टार विजय ने करीब डेढ़ साल पहले 'तमिषगा वेत्री कषगम' (टीवीके) नाम से पार्टी बनाकर राजनीति में प्रवेश किया है। दूसरी तरफ 'पराशक्ति' अपनी एंटी-हिंदी थीम के कारण चर्चित है। दोनों को फिल्म सेंसर बोर्ड की कुछ आपत्तियों का सामना करना पड़ा है। इस वजह से 'जन नायकन' रिलीज़ नहीं हो पाई, जबकि 'पराशक्ति' करीब बीस बदलाव करके रिलीज़ हो गई है।

तमिल राजनीति में दोनों फिल्मों के गहरे निहितार्थ हैं। हालांकि, विजय पेरियार के रास्ते पर चलने का दावा करते हैं और राज्य की द्रविड़ पार्टियों की भाषा नीति के पक्षधर हैं, पर वे सत्तारूढ़ डीएमके के सामने चुनौती के रूप में उभर कर आना चाहते हैं। उनकी फिल्म की थीम जनता के बीच से उभर कर आए ऐसे ही नेता पर केंद्रित है। इसमें जनता के नायक की अवधारणा, विजय के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है।

तमिलनाडु की राजनीति में सिनेमा के कलाकारों का बोलबाला पचास के दशक से ही शुरू हो गया था। वहां की 'कटआउट' संस्कृति में 'आसमानी कद' के राजनेता सिनेमा के पर्दे से आए। तमिलनाडु शायद अकेला ऐसा राज्य है, जहां लगातार पांच मुख्यमंत्री सिनेमा जगत से आए। केवल कलाकारों की बात ही नहीं है, वहां की फिल्मों की स्क्रिप्ट में द्रविड़ विचारधारा को डालने का काम भी किया। 1952 की फिल्म 'पराशक्ति' ने द्रविड़ राजनीतिक संदेश जनता तक पहुंचाया था। इस फिल्म का स्क्रीनप्ले और संवाद के. करुणानिधि ने लिखे थे, जो बाद में राज्य के मुख्यमंत्री बने।

उनके पहले सीएन अन्नादुरै ने भी कई फिल्मों की पटकथाएं लिखीं। जैमिनी गणेशन, एमजी रामचंद्र, जयललिता और अब विजय और कमलहासन परोक्ष या प्रत्यक्ष राजनीति में हस्तक्षेप कर रहे हैं। रजनीकांत ने भी कुछ समय पहले कदम बढ़ाए थे, जो बाद में खींच लिए। अब जो 'पराशक्ति' रिलीज़ हुई है, वह 1952 वाली फिल्म का रीमेक नहीं है। इसके साथ कथित 'हिंदी-साम्राज्यवाद' के विरोध का राजनीतिक संदेश जुड़ा है। पुरानी 'पराशक्ति' जाति और सामाजिक न्याय से जुड़े मसलों पर केंद्रित थी, जबकि नई 'पराशक्ति' साठ के दशक के हिंदी-विरोधी आंदोलन की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

'जन नायकन' जहां सिनेमा के सुपरस्टार विजय को राजनेता के रूप में स्थापित करना चाहती है, वहीं 'पराशक्ति' साठ के दशक में चले हिंदी-विरोधी आंदोलन की उस आधारभूत राजनीति को उभारना चाहती है, जिसके सहारे द्रविड़ राजनीति ने राज्य से कांग्रेस को बाहर किया था। यह फिल्म अनायास ही नहीं बना ली गई है। इसकी थीम और रिलीज के समय को काफी गहराई से सोच-विचारकर तैयार किया गया है।

अगले तीन-चार महीनों में पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव होने वाले हैं। इनमें असम और बंगाल के मसले दक्षिण के तमिलनाडु, पुदुच्चेरी और केरल के मसलों से अलग हैं, जहां क्षेत्रीयता और भाषा की पृष्ठभूमि पिछले डेढ़-दो साल से तैयार की जा रही है। इसमें अब कर्नाटक को भी जोड़ सकते हैं, जहां हिंदी-विरोध की हवा कुछ देर से पहुंची है। इस सिलसिले में सोशल मीडिया पर बड़े रोचक संवाद पढ़ने को मिल रहे हैं।

नई 'पराशक्ति' को लेकर एक दर्शक ने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे यह फिल्म देखकर निराशा हुई, जिसमें एक उपराष्ट्रीयता को हथियार बनाकर राष्ट्रीय-एकता को निशाना बनाया गया है। इसके जवाब में फिल्म के एक समर्थक ने लिखा, हिंदी हमारे लिए विदेशी भाषा है। इसके जवाब में किसी ने लिखा, अंग्रेजी तो आपके घर में जन्मी है। एक और हैंडल में लिखा गया, कर्नाटक के लिए तेलुगु, तमिल, मलयालम विदेशी भाषाएं हैं। तेलुगु राज्यों के लिए कन्नड़, मलयालम, तमिल विदेशी भाषाएं हैं। तमिलनाडु के लिए तेलुगु, कन्नड़, मलयालम विदेशी भाषाएं हैं। पूरे दक्षिण को एक साथ क्लब करना बंद करो। कम से कम, तेलुगु राज्यों ने हिंदी का विरोध नहीं किया। हम हिंदी भी बोलते हैं।

दक्षिण के ही एक यूज़र ने लिखा, वे नहीं चाहते थे कि उनकी पहचान तमिल के रूप में हो। उन्होंने तमिलों को द्रविड़ियन कहा, जो बड़ी पहचान है, जिसमें तमिल, तेलुगु, कन्नडिगा और मलयाली शामिल हैं, ताकि वे इसमें फिट हो सकें। एक यूज़र ने लिखा, उत्तर भारत वाले मुगलों और अंग्रेजों के हमलों का विरोध करते हैं, उसी तरह हम हिंदी के हमले का विरोध करते हैं। इस पर एक पाठक ने लिखा, हिंदी भारतीय भाषा है, क्या भारत के लोग अपने ही देश पर हमला करते हैं? भाषा और राष्ट्रीय एकता को लेकर देश के भीतर बहस हो, इससे अच्छी बात क्या हो सकती है, पर सोशल मीडिया की बहसें 'मॉडरेटेड' नहीं होतीं। उनमें अक्सर भावनाओं का अतिरेक होता है और शब्दों का ऊल-जुलूल इस्तेमाल होता है। पिछले एक साल से तमिलनाडु सरकार नई शिक्षा-नीति में तीन-भाषा सूत्र का विरोध कर रही है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि ज़रूरी नहीं है कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी की पढ़ाई हो। 22 भाषाओं की सूची में से कोई एक भाषा तीसरी भाषा के रूप में पढ़ी जा सकती है। तमिल लोगों को हिंदी से दुश्मनी या एलर्जी है तो उनके पास अन्य भाषाओं के विकल्प भी हैं। वे बांग्ला चुन सकते हैं, तेलुगु पढ़ सकते हैं, मलयालम चुन सकते हैं।

इस भाषा-युद्ध के अंतर्विरोध भी हैं। केरल विधानसभा ने पिछले अक्टूबर में एक विधेयक पारित किया था, जिसमें मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में घोषित किया गया था और सरकारी सेवाओं, न्यायपालिका सहित अन्य क्षेत्रों में इसके उपयोग की बात कही गई थी। इसमें कहा गया है कि केरल के सभी स्कूलों में मलयालम पहली भाषा के रूप में अनिवार्य होगी। राज्य में निर्मित या बिक्री के लिए लाए गए सभी उत्पादों पर लेबल मलयालम में भी होना चाहिए।

हालांकि, यह विधेयक अभी राज्यपाल के पास विचाराधीन है, पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस पर अपनी आपत्ति व्यक्त की है। उनका कहना है कि इससे कर्नाटक की सीमा से लगे केरल के कासरगोड जिले में कन्नड़ भाषी लोगों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, यह विधेयक संविधान द्वारा प्रदत्त भाषा की स्वतंत्रता पर हमला है। सिद्धारमैया के अनुसार, कासरगोड भावनात्मक रूप से कर्नाटक का है, भले ही यह प्रशासनिक रूप से केरल का हिस्सा है। वे कर्नाटक के कन्नडा लोगों से कम नहीं हैं। उनके हितों की रक्षा करना हमारी सरकार का कर्तव्य है।

ऐसी बातों से हैरत नहीं होती, क्योंकि राजनीति को नए विवादों की जरूरत है। ऐसी चिंताएं केरल के तमिलनाडु से लगे इलाकों की तमिलभाषी आबादी को लेकर व्यक्त की गई हैं। भाषा को लेकर ऐसी स्थितियां कई राज्यों की सीमाओं पर हैं। इनके हल जनता खुद खोज लेती है, पर राजनेता उन्हें भड़काते हैं। कुछ ऐसा ही पिछले दिनों महाराष्ट्र में देखने में आया, जहां स्थानीय निकायों के चुनाव चल रहे हैं। ज़रूरत इस बात की है कि हम इन मसलों से राजनीति को अलग करें और व्यावहारिक हल खोजें। भारत बहुत बड़ा देश है, इसमें अनेक भाषाओं की जानकारी लोगों को सबल ही बनाएगी, उनसे कुछ छीनेगी नहीं।

लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

बिना लाइसेंस कारोबार पर होटल मालवा सील

दुर्ग। मालवा होटल पर लगभग 15 लाख रुपये का कर वर्षों से बकाया है। इसके अलावा होटल द्वारा बिना वैध विज्ञप्ति/व्यवसाय लाइसेंस के संचालन किया जा रहा था। बकाया कर वसूली एवं नियमों के उल्लंघन को लेकर राजस्व अमला आज सीलिंग की कार्रवाई करने मौके पर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रहा। होटल प्रबंधन की ओर से बकाया राशि जमा करने के लिए समय की मांग की गई, जिस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमानुसार तत्काल भुगतान या वैधानिक प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में बकाया कर नहीं चुकाने वाले एवं बिना लाइसेंस व्यापार करने वालों के खिलाफ किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी।

चाईनीज मांझे पर प्रतिबंध, सतर्क रहें नागरिक

दुर्ग। नगर पालिक निगम शासन द्वारा नायलोन, सिंथेटिक अथवा किसी भी प्रकार के धारदार पदार्थ युक्त धागे (चाईनीज मांझा) के उत्पादन, विक्रय, भंडारण, आपूर्ति एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने बताया कि चाईनीज मांझे के कारण लगातार गंभीर दुर्घटनाओं की घटनाएं सामने आ रही हैं। इन हादसों में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों एवं बच्चों के लिए यह मांझा अत्यंत घातक साबित हो रहा है, जिससे जन–जीवन को भारी खतरा उत्पन्न हो रहा है।

अधिरा ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन में जीता पुरस्कार

भिलाई। कक्षा सातवीं की छात्रा अधिरा शर्मा ने विज्ञान के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए विद्यार्थी विज्ञान मंथन परीक्षा 2025–26 में कक्षा सातवीं वर्ग के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है। यह परीक्षा रेडिएंट वे स्कूल, रायपुर में आयोजित की गई थी। अधिरा, जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग में पदस्थ सहायक परियोजना समन्वयक (एपीसी) डॉ. शशिभूषण शर्मा एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी डॉ. समिधा शर्मा की पुत्री हैं। इस वर्ष कक्षा 6वीं से 11वीं तक के विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया, जिसमें राज्य स्तर पर कुल 18 विद्यार्थियों का चयन हुआ। इनमें से 12 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के कैंप के लिए चुना गया है।

वैदिक रामानुज सम्मान से सम्मानित हुए कवि जयलाल

नंदिनी अहिवारा। हरिद्वार में वैदिक प्रकाशन ने भारत के 60 साहित्यकारों को वैदिक रामानुज वार्षिक सम्मान 2025 से सम्मानित किया। साहित्यिक सम्मान समारोह और पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में 16 साझा संकलन और एकल पुस्तिकाओं का विमोचन हुआ। इसी समारोह में छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के कवि जयलाल कलेत भी सम्मानित हुए हैं। जयलाल कलेत साहित्य के प्रति एक समर्पित साहित्यकार है और इन्हें प्रति वर्ष इनके उत्कृष्ट लेखन कार्य के लिए सदैव ही सम्मानित होते आ रहे हैं। वे नंदिनी अहिवारा के मूल निवासी हैं।

बीएसपी में ठेका श्रमिक सुरक्षा सम्मान एवं नियर-मिस पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के उपयोगिताएँ संगठन (डीआईसी-04) द्वारा ठेका श्रमिकों में सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करने तथा सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ठेका श्रमिक सुरक्षा सम्मान एवं नियर–मिस पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन विगत दिनों में संयंत्र स्थित वेलफेयर बिल्डिंग–2 के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (मेंटेनेंस एवं यूटिलिटीज) सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएँ) जेपी सिंह रहे व विशिष्ठ अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग) एसके अग्रवाल उपस्थित रहे।

इस अवसर पर समारोह में महाप्रबंधक (एसीडब्ल्यूई) एसके बेहरा, महाप्रबंधक (ऑक्सीजन प्लांट-2) नदीम खान सहित उपयोगिताएँ संगठन (डीआईसी-04) के सभी विभाग प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारीगण तथा पुरस्कार विजेता श्रमिक उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और 'शून्य दुर्घटना' का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब प्रत्येक कर्मी सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा संभावित जोखिमों की समय पर पहचान कर रिपोर्टिंग करें।

ठेका श्रमिकों को तीन श्रेणियों में सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें सुरक्षा सर्वोत्तम श्रेणी के अंतर्गत 02, सुरक्षा अनमोल श्रेणी के अंतर्गत 02 तथा सुरक्षा दक्ष श्रेणी के अंतर्गत 06 श्रमिकों को सम्मानित किया गया। श्रमिकों को सुरक्षा नियमों के कठोर अनुपालन, कार्यस्थल पर सतर्कता तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

तिहरी सफलता : नेशनल पोलो चैंपियनशिप छत्तीसगढ़ तीनों वर्गों में बना राष्ट्रीय चैम्पियन

आंध्रप्रदेश के कड़पा में सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर्स ने दिखाया अपना दम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भारतीय साइकिल पोलो महासंघ द्वारा आंध्रप्रदेश के कड़पा में आयोजित राष्ट्रीय साइकिल पोलों प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की तिहरी सफलता मिली है। छत्तीसगढ़ की साइकिल पोलों की लड़कियों ने इतिहास रचते हुए सब जूनियर, जूनियर व सीनियर वर्ग में चैंपियनशिप पर कब्जा किया। छत्तीसगढ़ की तीनों वर्ग की टीमों ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए यह सफलता पाई है।

भारतीय साइकिल पोलो महासंघ के संयुक्त सचिव विनायक चन्नावार तथा बीएसपी साइकिल पोलो क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय साइकिल पोलो महासंघ द्वारा 10 से 13 जनवरी तक कड़पा आंध्र प्रदेश में 22वीं सब जूनियर बालिका, 28वीं जूनियर बालिका तथा 26वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय साइकिल पोलो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। छत्तीसगढ़ कि बेटियों ने तीनों ही वर्गों में राष्ट्रीय चैंपियन बनकर भिलाई इस्पात संयंत्र तथा संपूर्ण छत्तीसगढ़ को गौरवानवित किया।

इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के सरंक्षक व सांसद विजय बघेल, ऑफिसर्स एसोशिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के डॉ रमेश श्रीवास्तव, सचिव प्रदीप कान्हे, सुधीर बंसल, सुभाष टिंगुरिया, प्रतीक मनोध्या, शशांक देशमुख व छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के अन्य पदाधिकारियों ने भी बधाइयां दी।

दल के प्रशिक्षक एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एस संतोष राव तथा मुख्य प्रशिक्षक देव प्रकाश वर्मा ने बताया कि जूनियर बालिका वर्ग के फाइनल मैच में छत्तीसगढ़ की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश को एक तरफा 18 के मुकाबले 1 गोल से परास्त किया।

इसी प्रकार सीनियर महिला वर्ग के फाइनल मैच में छत्तीसगढ़ ने केरल को 13 के मुकाबले 9 गोलों से परास्त कर राष्ट्रीय विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

सब जूनियर वर्ग के फाइनल मैच में छत्तीसगढ़ की बेटियों ने कांटे की टक्कर में भारी संघर्ष करके 8 के मुकाबले 7 गोल से विजय प्राप्त कर अपना परचम लहराया।

लक्ष्मी निर्मलकर ने दागे सर्वाधिक गोल

सीनियर वर्ग में संपूर्ण प्रतियोगिता में लक्ष्मी निर्मलकर सर्वाधिक 15 गोल मारकर सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता की सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ी बनी। जूनियर वर्ग में कुमारी पूनम देवी सर्वाधिक24 गोल मारकर जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता में सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ी बनी। तथा सब जूनियर वर्ग में कुमारी धात्री देशमुख सर्वाधिक16 गोल मारकर सब जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता में सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ी बनी।

सूर्य नमस्कार से स्वस्थ भारत-समर्थ भारत का सपना हो सकता है साकार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती पर इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशनन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद बिरादर एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी अंतिम जैन भिलाई पहुंचे। उनके मार्गदर्शन में सेक्टर भिलाई 9 शारदा पब्लिक स्कूल के सभागार से रथयात्रा प्रारंभ हुई। रथ के माध्यम से 25 जनवरी तक अन्य जिलों में स्थित शालाओं महाविद्यालय में सामूहिक सूर्य नमस्कार के आयोजन किए जाएंगे।

आर्गेनाइजेशन के स्टेट कन्वीनर मनोज ठाकरे ने अभियान के उद्देश्य के बारे में बताया 5000 वर्ष पुरानी सूर्य नमस्कार की परंपरा हमारे शरीर और जीवन को नहीं ऊंचाई प्रदान करती है हमारा शरीर ऊर्जावान बनता है।

सूर्य नमस्कार की 12 क्रियाएं आलस्य से दूर रखकर व्यक्ति को स्वस्थ और ऊर्जावान बनता है। सामूहिक सूर्य नमस्कार अभियान का उद्घाटन प्रातः 10:00 बजे स्वामी विवेकानंद के चित्र पर गायत्री मंत्र एवं शंख ध्वनि के मध्य मुख्य अतिथि दिनेश सिंह एवं ममता साहू योग गुरु आदित्य टंडन एवं योगाचार्य बिसेन संगीत के कलाकार मिथुनदास ध्यान कला केंद्र की नीता चौरसिया द्वारा किया गया।

मां शारदा पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने एक पैदल मार्च रैली निकाली जिसमें स्वामी विवेकानंद अमर रहे वंदे मातरम भारत माता की जय नारा लगाकर स्वामी जी के चित्र को लेकर सेंट्रल एवेन्यू पर भ्रमण किया, आयोजन के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक दिनेश सिंह द्वारा अपने उद्बोधन में कहा स्वामी जी ने कहा उठो जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य न प्राप्त हो जाए।

24 को सेल स्थापना दिवस पर बीएसपी करेगी साधना सरगम नाइट का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई इस्पात प्रबंधन द्वारा सेल स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर 24 जनवरी 2026 (शनिवार) को भिलाई क्लब स्थित क्रिस्टल गार्डन में सायं 7:30 बजे से 'साधना सरगम नाईट' का आयोजन किया जा रहा है। क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष संगीतमय संध्या में भारतीय फिल्म संगीत जगत की सुप्रसिद्ध एवं मधुर स्वर की धनी, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पार्श्व गायिका साधना सरगम अपनी मनोहरी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी।

सुश्री साधना सरगम द्वारा 90 के दशक से लेकर वर्तमान तक की सुपरहिट फिल्मों में गाए गए अनेक यादगार और लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। उनके स्वर में सजे वे कालजयी गीत, जिन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं और करोड़ों संगीत प्रेमियों के दिलों में विशेष स्थान बनाया, भिलाई की इस संध्या को सुर, लय और उल्लास से सराबोर करेंगे। संगतकार के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वादक कलाकार अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विगत अनेक वर्षों से इस्पात नगरी भिलाई के संगीतप्रेमी नागरिकों के बीच सुश्री साधना सरगम की अविस्मरणीय गायकी के प्रति गहरी रुचि एवं अनुराग को ध्यान में रखते हुए संयंत्र प्रबंधन द्वारा यह आयोजन संगीत सुधिजनों को समर्पित किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है।

किराएदारी से मुक्ति : प्रधानमंत्री आवास से सच हुआ दीक्षा का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) जरूरतमंद परिवारों के लिए केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव साबित हो रही है। नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 56, आमा पारा, बघेरा निवासी दीक्षा सोनी की जीवन गाथा इस योजना की सफलता की सजीव मिसाल है।

साधारण आर्थिक स्थिति वाले परिवार से जुड़ी दीक्षा सोनी का जीवन वर्षों तक संघर्षों से भरा रहा। ज्वेलर्स के कार्य पर निर्भर परिवार की सीमित आय के चलते वे अपने परिवार के साथ किराये के छोटे से मकान में रहने को मजबूर थीं। हर माह किराया चुकाने की चिंता, मकान मालिक की शर्तें और अस्थायी जीवन की मजबूरी ने उनके मन में हमेशा असुरक्षा की भावना बनाए रखी।

किराये के मकान में रहते हुए बच्चों का भविष्य, परिवार की सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की कल्पना करना भी कठिन लगता था। कई बार हालात इतने मुश्किल हो जाते थे कि अपने घर का सपना अधूरा ही प्रतीत होता था, लेकिन दीक्षा सोनी ने कभी हार नहीं मानी। इसी संघर्षपूर्ण समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0) उनके लिए आशा की नई किरण बनकर सामने आई। योजना की जानकारी मिलते ही उन्होंने पूरे विश्वास के साथ आवेदन किया। शासन और नगर निगम के सहयोग से उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और आवास निर्माण हेतु आर्थिक सहायता प्राप्त हुई।

वर्ष 2025–26 में जब उनके स्वयं के पक्के घर का निर्माण पूर्ण हुआ, तो वह क्षण उनके जीवन का सबसे भावुक और अविस्मरणीय पल बन गया। अपने घर की दहलीज पर पहला कदम रखते ही वर्षों की पीड़ा, संघर्ष और असुरक्षा आँसुओं में बदल गई। वह घर केवल ईंट–पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक है।

आज दीक्षा सोनी अपने परिवार के साथ एक सुरक्षित, स्वच्छ और स्थायी आवास में खुशहाल जीवन जी रही हैं। अब न किराये की चिंता है और न भविष्य को लेकर भय। उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और जीवन में नई स्थिरता आई है।

अंतरराष्ट्रीय पॉलिमर विज्ञान सम्मेलन

आईआईटी भिलाई तीन के शोधकर्ताओं को मिला पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। छत्तीसगढ़ एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि संस्थान के शोधकर्ताओं ने एसपीएसआई मैक्रो 2025 के अठारहवें अंतरराष्ट्रीय पॉलिमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त कर संस्थान का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 15 से 18 दिसंबर 2025 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर द्वारा आयोजित किया गया था।

इस आयोजन में पॉलिमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम शोध और तकनीकी प्रगति पर चर्चा के लिए विश्वभर से प्रमुख वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और औद्योगिक विशेषज्ञों ने सहभागिता की। आईआईटी भिलाई के रसायन विज्ञान विभाग के तीन शोधार्थियों स्वरूप माईती, निशिकांत, सुदीप्त पॉल को उनके उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया।

स्वरूप माईती को उनके शोध 'समायोज्य कंपन–अवशोषण और प्रभाव–सहनशीलता वाले स्व-उपचारक इलास्टोमरों के लिए गतिशील गैर–सहसंयोजक नेटवर्क का विकास' पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला। यह कार्य प्रभाव सुरक्षा और कंपन अवशोषण हेतु उन्नत इलास्टोमेरिक सामग्रियों के विकास पर केंद्रित है। वहीं निशिकांत को 'अत्यंत सूक्ष्म सल्फर–बिंदुओं द्वारा मध्यस्थित सरल प्रकाश–प्रेरित बहुलकीकरण के माध्यम से त्रि–आयामी मुद्रण हेतु स्मार्ट इंजेक्टेबल स्याही का निर्माण' विषयक पोस्टर के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें अगली पीढ़ी की योगात्मक विनिर्माण (3डी प्रिंटिंग) तकनीकों के लिए नवीन बहुलकीकरण रणनीतियाँ प्रस्तुत की गई हैं।

सुदीप्त पॉल को 'स्मार्ट खिड़की और सुरक्षा अनुप्रयोगों हेतु पराबैंगनी किरण–अवरोधक ताप–संवेदी बहुक्रियात्मक पॉलिमरिक संरचना' पर किए गए शोध के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ। तीनों अनुसंधानरत शोधार्थियों के मार्गदर्शक डॉ. संजीब बैनर्जी ने भी हर्ष व्यक्त किया। यह उपलब्धि उन्नत पॉलिमरिक सामग्रियों और सतत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आईआईटी भिलाई की बढ़ती शोध–पहचान को रेखांकित करती है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 151वीं तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 151वीं तिमाही समीक्षा बैठक 15 जनवरी 2026 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई इस्पात संयंत्र, पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

श्री कुमार द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र की हिंदी गृह पत्रिका 'भिलाई भाषा भारती' के 'संयंत्र विशेषांक' का विमोचन किया गया। उल्लेखनीय है कि पत्रिका में संयंत्र की गौरवशाली यात्रा तथा कार्मिकों के अनुभवों एवं देश व समाज को योगदान से संबंधित रचनाओं का प्रकाशन किया गया है। अपने उद्बोधन में पवन कुमार ने कहा कि आज की आवश्यकता है कि हम हिंदी में लिखना व सोचना अवश्य करें। प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में हिंदी के प्रति आदर भाव होना चाहिए।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

कलेक्टर ने बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

राजनांदगांव । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव अंतर्गत आने वाले मतदान केन्द्र क्रमांक 22 बजरंगपुर नवागांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बीएलओ सुनीता सेवता तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 17 पेण्ड्री की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बीएलओ जीनत ठाकुर को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

राजनांदगांव। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में देश के 27 राज्य एवं 9 शैक्षणिक संस्थान सहित कुल 36 बास्केटबॉल बालक व बालिका 17 वर्ष वर्ग की टीमें शामिल हुई। प्रतियोगिता में 429 बालक एवं 402 बालिका तथा 175 कोच कुल 1006 प्रतिभागी हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा कि जीवन में खेल का बहुत महत्व है और जीवन का हर क्षण खेल है। इसका निष्कर्ष यह है कि हम जब तक किसी भी खेल में संघर्ष नहीं करेंगे तो हमें सफलता नहीं मिलेगी। जीवन में संघर्ष करते रहने पर एक दिन सफलता अवश्य मिलती है। आप सभी प्रतिभावान खिलाड़ी जिन्होंने यह जीत हासिल की है, उन्हें हार्दिक बधाई। ऐसे खिलाड़ी जो जीत नहीं पाए है, वे निराश नहीं हो इससे सीखने का अवसर मिलता है। सभी आज यहां से प्रेरणा लेकर जा रहे है और आगे भी मेहनत करते रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह की भव्यता के लिए शिक्षा विभाग ने कसी कमर

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार, आगामी 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय समारोह को भव्य बनाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. मंडावी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। मिनी स्टेडियम में आयोजित होने वाले इस गरिमामय कार्यक्रम के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पीटी प्रदर्शन और मार्च पास्ट की रूपरेखा तय की गई है। बैठक में जिले के विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की सफलता के लिए साझा रणनीति बनाई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विशेष मापदंड निर्धारित किए गए हैं, जिसके तहत स्कूली छात्र देशभक्ति और लोक गीतों पर 4-5 मिनट की प्रस्तुति देंगे। इन कार्यक्रमों का अंतिम चयन 23 जनवरी को चयन समिति के समक्ष होने वाली प्रस्तुति के आधार पर किया जाएगा। साथ ही, अनुशासन और लयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए 17 जनवरी से एकलव्य स्कूल में 6 स्कूलों के बच्चों का पीटी अभ्यास शुरू होगा।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाई देगा रायपुर साहित्य उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को नई ऊर्जा देने तथा देशभर के साहित्यकारों, चिंतकों, कलाकारों और पाठकों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से 23, 24 और 25 जनवरी को 'रायपुर साहित्य उत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है।

इस त्रि-दिवसीय महोत्सव का केंद्रीय विचार 'आदि से अनादि तक' है, जो भारत की साहित्यिक परंपरा की निरंतरता और विकास को रेखांकित करता है। इन तीन दिनों तक नवा रायपुर में साहित्य रंग और कला की त्रिवेणी की अविरल धारा बहती रहेगी। नवा रायपुर बनेगा साहित्य का केंद्र यह प्रतिष्ठित आयोजन अटल नगर नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित किया जाएगा, जहाँ छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और समकालीन साहित्यिक अभिव्यक्तियों का सुंदर संगम देखने को मिलेगा। यह उत्सव छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय साहित्यिक मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भव्य उद्घाटन समारोह से होगी गरिमामय शुरुआत रायपुर साहित्य उत्सव का शुभारंभ 23 जनवरी को भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रीगण, प्रतिष्ठित साहित्यकार और सांस्कृतिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियाँ उपस्थित रहेंगी, जिससे आयोजन को गरिमामय शुरुआत मिलेगी। यह समारोह पूरे आयोजन की दिशा और स्वर निर्धारित करेगा।देशभर के साहित्यकार और विचारक होंगे शामिल रायपुर साहित्य उत्सव 2026 में देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, लेखक, पत्रकार, विचारक और युवा रचनाकार एक साथ मंच साझा करेंगे। कार्यक्रम के दौरान साहित्यिक संवाद, पुस्तक विमोचन, विचार-मंथन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और कला-प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

युवाओं में दिख रहा खासा उत्साह इस साहित्य उत्सव की विशेष बात यह है कि इसमें नई पीढ़ी के लेखकों और कवियों को सशक्त मंच प्रदान किया जा रहा है, जहाँ वे अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर सकेंगे। युवा पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने के लिए विशेष युवा-केंद्रित सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है और इसका व्यापक असर दिखाई दे रहा है। अब तक 4,000 से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं और पंजीकरण की प्रक्रिया लगातार जारी है। पुस्तक मेले में लेखकों और पाठकों के मध्य सीधा संवाद साहित्य उत्सव में स्थानीय और राष्ट्रीय प्रकाशकों की पुस्तकों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए एक भव्य पुस्तक मेला लगाया जाएगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के दूरदर्शी नेतृत्व में रायपुर को मिलेगा जाम-मुक्त भविष्य

जून 2026 में कुम्हारी टोल प्लाजा होगा पूरी तरह बंद, भारतमाला एक्सप्रेस-वे सहित ऐतिहासिक परियोजनाओं को मिली गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल के सशक्त, दूरदर्शी और जनहितकारी नेतृत्व में राजधानी रायपुर की यातायात व्यवस्था को लेकर एक ऐतिहासिक निर्णय सामने आया है। गुरुवार को एनएचएआई, स्टेट हाईवे, लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद अग्रवाल ने घोषणा की कि जून 2026 में कुम्हारी टोल प्लाजा पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा, जिससे लाखों नागरिकों को वर्षों पुरानी परेशानी से स्थायी राहत मिलेगी।

सांसद अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि जून में दुर्ग-आरंग बायपास के प्रारंभ होते ही कुम्हारी टोल प्लाजा बंद होगा, साथ ही मार्च 2026 के बाद किसी भी नए टेंडर पर रोक लगाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं। यह निर्णय श्री अग्रवाल की जनसंवेदनशीलता और राजधानीवासियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। बैठक में उन्होंने बताया कि अक्टूबर 2026 से भारतमाला एक्सप्रेस-वे के शुभारंभ के साथ रायपुर को एक नए आधुनिक एक्सप्रेस-वे की सौगात मिलेगी, जिससे न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि औद्योगिक, आर्थिक और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी। राजधानी के समग्र विकास की ठोस रूपरेखा अग्रवाल ने राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, ओवरब्रिज, अंडरपास और एलिवेटेड रोड जैसी बुनियादी परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। कचना में निर्माणाधीन ओवरब्रिज का कार्य मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश तेलीबांधा से जोरा ओवरब्रिज को व्हीआईपी रोड से एंट्री-एग्जिट देने की योजना और भनपुरी से जोरा तक रेल लाइन के किनारे एलिवेटेड रोड का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेस-वे का रायपुर विस्तार एवं रायपुर से लखनादौन (वाया सिमगा, कवर्धा) तक नई कनेक्टिविटी पर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए है साथ ही रायपुर-बलौदाबाजार-सारंगढ़ रोड के उन्नयन की समीक्षा की। इसके साथ ही व्हीआईपी चौक और रिंग रोड पर जाम की समस्या को देखते हुए सर्विस रोड हटाने के निर्देश कमल विहार सहित अन्य क्षेत्रों में ग्रेड सेपरेटर बनाने को कहां और रिंग रोड़ 1 पर डीडीयू नगर के पास अंडरपास बनाने और महावीर नगर से व्हीआईपी रोड अमलीडीह तालाब के ऊपर पुल बनाने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में पंडरी में लगने वाले जाम से जनता को राहत दिलाने के लिए खालसा कॉलेज से मोवा तक 4.5 किमी लंबे पुल और अमलेश्वर से कुम्हारी तक खारुन नदी किनारे सड़क जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा की।

इसके अतिरिक्त, बलौदाबाजार में सीमेंट फैक्ट्रियों से जुड़े भारी वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु डेडीकेटेड कॉरिडोर की योजना बनाने के निर्देश भी दिए गए। रायपुर को आधुनिक और सुगम यातायात व्यवस्था देना हमारा संकल्प - बृजमोहन अग्रवाल सांसद श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजधानीवासियों को ट्रैफिक जाम, पार्किंग और दुर्घटनाओं से स्थायी राहत दिलाने के लिए एक समग्र और समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि लंबित और स्वीकृत परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कराया जाएगा तथा आवश्यक विषयों को आगामी लोकसभा सत्र में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा।

उन्होंने दोहराया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से रायपुर को आधुनिक, सुरक्षित और जाम-मुक्त राजधानी बनाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा। बैठक में एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर दिग्विजय सिंह, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपैहरी, कार्यपालन अभियंता राजीव नशीने, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के संयुक्त निदेशक विनीत नायर, राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिशाषी अभियंता एस.एस. मांझी, कार्यपालन अभियंता गोविंद अहिरवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निर्णायक नेतृत्व में रायपुर एक नई यातायात क्रांति की ओर बढ़ रहा है, जो आने वाले वर्षों में राजधानी को देश के श्रेष्ठ शहरी मॉडल में शामिल करेगा।

जिला अस्पताल बीजापुर बना भरोसेमंद इलाज का केंद्र

स्वास्थ्य सेवाओं से मरीजों को मिल रहा त्वरित लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिला अस्पताल बीजापुर में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार करते हुए मरीजों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में अस्पताल को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है, जिससे जिले के नागरिकों को अब कई महत्वपूर्ण जांच एवं उपचार सेवाएँ स्थानीय स्तर पर ही मिल रही हैं।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा पीजी-बॉण्ड के अंतर्गत रेडियोलॉजिस्ट डॉ. देवेंद्र कुमार की पदस्थापना के बाद जिला अस्पताल में 24म7 सीटी स्कैन एवं एक्स-रे सेवाएँ सुचारू रूप से प्रारंभ हो गई हैं। इसके साथ ही ओपीडी समय में सोनोग्राफी सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे गंभीर एवं सामान्य मरीजों को समय पर जांच और उपचार का लाभ मिल रहा है। अस्पताल के माइक्रोबायोलॉजी विभाग को भी तकनीकी रूप से सशक्त बनाया गया है।

पीजी-बॉण्ड के अंतर्गत डॉ. भूपेंद्र कुमार चंद्राकर की उपस्थिति के पश्चात कल्चर एवं सेंसिटिविटी, ब्लड, यूरिन, स्टूल सहित सभी आवश्यक संक्रमण आधारित जांच नियमित रूप से की जा रही हैं। इससे मरीजों को सटीक और समयबद्ध रिपोर्ट प्राप्त हो रही है, जिससे चिकित्सकीय निर्णय अधिक प्रभावी हो सके हैं। जिला अस्पताल में बच्चों के लिए एमसीएच भवन में फिजियोथेरेपी सुविधा उपलब्ध है। यह सुविधा विशेष रूप से उन बच्चों के लिए लाभकारी है जो समय पर बैठने, चलने या खड़े होने में कठिनाई महसूस करते हैं। प्रीमैच्योर और कम वजन वाले बच्चों के साथ-साथ सर्जरी या चोट के बाद रिकवरी कर रहे बच्चों को भी इससे लाभ मिल रहा है।

इसके अतिरिक्त, नाक-कान-गला विभाग में स्पीच थेरेपी की सुविधा शुरू की गई है, जिससे बोलने या उच्चारण में समस्या वाले बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर ने बताया कि अस्पताल में सभी आवश्यक दवाइयों एवं प्रमुख जांचों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिससे उपचार प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित हो रही है।

साथ ही कलेक्टर संबित मिश्रा की पहल पर जिला खनिज न्यास निधि के माध्यम से मरीजों के परिजनों के लिए भोजन वितरण व्यवस्था को पुनः नियमित किया गया है, जिससे दूरदराज़ क्षेत्रों से आने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। जिला अस्पताल बीजापुर में स्वास्थ्य सेवाओं के इस व्यापक विस्तार से जिले की स्वास्थ्य प्रणाली को नई मजबूती मिली है।

जल संरक्षण से बढ़ा आजीविका का दायरा मनरेगा की डबरी बनी आय संवर्धन का साधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनरेगा अंतर्गत किए जा रहे कार्यों ने प्रदेश के किसानों के जीवन में ठोस परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत सकालो निवासी बाबू नाथ इसका सशक्त उदाहरण हैं, जिनके खेत में निर्मित डबरी आज बहुउपयोगी संसाधन के रूप में विकसित हो चुकी है।

डबरी निर्माण से एक ओर वर्षा जल का सुरक्षित संचयन संभव हुआ है, वहीं दूसरी ओर सिंचाई के स्थायी साधन उपलब्ध होने से खेती पूरी तरह लाभकारी बन चुकी है। सिंचाई सुविधा बढ़ने के साथ श्री बाबू नाथ ने अपने खेत में विविध साग-सब्जियों की खेती आरंभ की है। घरेलू उपयोग से आगे बढ़कर बाजार में विक्रय किए जाने से उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। कृषि के साथ-साथ डबरी में आरंभ किया गया मछली पालन उनके लिए अतिरिक्त आय का नया माध्यम सिद्ध हुआ है। आज यह संयुक्त गतिविधि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाए हुए है। श्री बाबू नाथ के अनुसार साग-सब्जी उत्पादन तथा मछली पालन दोनों से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 60 से 70 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है, जिससे खेती अब केवल जीविकोपार्जन का साधन न होकर आयवर्धन का स्तंभ बन गई है। उन्होंने यह भी बताया कि मनरेगा के तहत डबरी निर्माण से न केवल उनके खेत की उपयोगिता बढ़ी, बल्कि गांव में रोजगार सृजन की दिशा में भी उल्लेखनीय योगदान मिला। स्थानीय मजदूरों को कार्य उपलब्ध होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सक्रियता बढ़ी है। बाबू नाथ का अनुभव दर्शाता है कि जल संरक्षण आधारित ग्रामीण ढांचागत कार्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ गांवों में आर्थिक स्थिरता स्थापित कर रहे हैं।

एम्स रायपुर में स्मार्ट नेविगेशन तकनीक से पहली द्विपक्षीय क्रमिक कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर ने उन्नत चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए स्मार्ट नेविगेशन (स्मार्ट नैव) तकनीक की सहायता से पहली द्विपक्षीय क्रमिक कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की है। यह सर्जरी जन्मजात गंभीर द्विपक्षीय श्रवण हानि से पीड़ित चार वर्षीय बालिका में की गई।

कान, नाक एवं गला तथा हेड एंड नेक सर्जरी विभाग, एम्स रायपुर द्वारा की गई यह सर्जरी कॉक्लियर इम्प्लांटेशन में प्रयुक्त स्मार्ट नैव तकनीक के माध्यम से की गई, जो एक अत्याधुनिक नेविगेशन-सहायता प्राप्त प्रणाली है। यह तकनीक सर्जरी के दौरान इलेक्ट्रोड की सटीक स्थिति सुनिश्चित करने, शल्य-क्रिया की शुद्धता बढ़ाने, ऑपरेशन का समय कम करने तथा दीर्घकालिक श्रवण परिणामों को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होती है। यह जटिल सर्जरी आमंत्रित अतिथि संकाय डॉ. हेतल मारफतिया, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कान-नाक-गला विभाग, सेठ गोविंदराम सखाराम मेडिकल कॉलेज एवं किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल, मुंबई तथा डॉ. रेनू राजगुरु, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कान-नाक-गला एवं हेड एंड नेक सर्जरी विभाग, एम्स रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से की गई। स्मार्ट नैव तकनीक सर्जरी के दौरान बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ इलेक्ट्रोड इंसर्शन के संबंध में रियल-टाइम फीडबैक उपलब्ध कराती है, जिससे संभावित आंतरिक आघात को न्यूनतम किया जा सकता है और श्रवण एवं वाक् विकास के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार संभव होता है। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल अशोक कुमार जिंदल (सेवानिवृत्त), परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल एवं युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित, कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एम्स रायपुर ने सर्जिकल टीम को बधाई दी। उन्होंने जन्म से श्रवण हानि से पीड़ित बच्चों में शीघ्र पहचान एवं समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप के महत्व पर बल देते हुए कहा कि नेविगेशन-सहायता प्राप्त कॉक्लियर इम्प्लांटेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग एम्स रायपुर की नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने तथा रोगियों और समाज को सर्वोत्तम संभव उपचार उपलब्ध कराने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह उपलब्धि एम्स रायपुर को बाल श्रवण पुनर्वास एवं उन्नत कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

बस्तर पंडुम: लोक संस्कृति के महापर्व में मांदर की थाप पर थिरके कलाकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा और लोक संस्कृति को सहेजने की दिशा में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ते हुए बस्तर पंडुम 2026 का उत्साह अब पूरे शबाब पर है। इसी कड़ी में गुरुवार को विकासखंड मुख्यालय बस्तर और बकावंड में ब्लॉक स्तरीय बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ, जहां मांदर की थाप और लोकगीतों की गूंज ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया।

बस्तर में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप और सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप भी शामिल हुए। उनके साथ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप और जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बघेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर न केवल कलाकारों की हौसला अफ्जाई की, बल्कि बस्तर की माटी से जुड़ी कला को मंच प्रदान करने की इस पहल को सराहा। इसी तरह बकावंड में आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री महेश कश्यप ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

गौरतलब है कि बस्तर पंडुम आयोजन के दौरान विकासखंड के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। यह आयोजन महज एक प्रतियोगिता तक सीमित न रहकर बस्तर की 12 विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं के संरक्षण का माध्यम बना। कलाकारों ने जनजातीय नृत्य, लोकगीत, पारंपरिक वाद्ययंत्रों के वादन से लेकर बस्तर के स्वादिष्ट व्यंजनों, वन औषधियों और हस्तशिल्प का ऐसा प्रदर्शन किया कि उपस्थित अतिथि और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर कहा कि अपनी जड़ों और परंपराओं को जीवित रखने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं, जो नई पीढ़ी को अपनी विरासत पर गर्व करना सिखाते हैं।

उन्होंने अपने उद्बोधन में जोर देते हुए कहा कि बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों का मूल उद्देश्य हमारे तीज-त्यौहार, खान-पान, बोली-भाषा और रीति-रिवाजों को संरक्षित करना है। आज की युवा पीढ़ी आधुनिकता की दौड़ में अपनी जड़ों को न भूले, इसलिए शासन ने यह मंच तैयार किया है। हमारे कलाकारों के हुनर में वह जादू है जो दुनिया को आकर्षित करता है, और हमें इस विरासत को सहेजकर अगली पीढ़ी को सौंपना होगा।

बस्तर पंडुम 12 विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं के संरक्षण का माध्यम

वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सांसद महेश कश्यप ने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बस्तर के कण-कण में कला बसती है। गाँव-गाँव में छिपी इस प्रतिभा को निखारने के लिए बस्तर पंडुम एक क्रांतिकारी पहल है।

आज यहाँ 12 विधाओं में जो प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, वह यह साबित करता है कि हमारी लोक कला आज भी उतनी ही जीवंत है। यह मंच हमारे ग्रामीण कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने की पहली सीढ़ी है। इस मौके पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारी-कर्मचारी और बडी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

मलाइका अरोड़ा डेटिंग की खबरों पर बोलीं- लोगों को बातें करना पसंद; इससे कोई फायदा नही

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद उनकी जिंदगी में कौन आया, कौन गया? ऐसे चर्चे सोशल मीडिया पर आम बात हैं। खुद अभिनेत्री का मानना है कि उन्हें किसी भी अनजान शख्स के साथ देखकर लोग उनके रिश्ते को लेकर अटकलें लगाना शुरू कर देते हैं। हाल ही बातचीत में मलाइका ने लंबे समय से चल रही डेटिंग की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है।

हाल ही में, मलाइका ने नम्रता जकारिया शो में शिरकत की और रहस्यमयी व्यक्ति के साथ अपने नए रिश्ते की खबरों को संबोधित किया। अभिनेत्री ने कहा, लोगों को बातें करना पसंद है। अगर आपको किसी के साथ देखा जाता है, आप बाहर जाते हैं और यह एक बड़ा मुद्दा बन जाता है। मैं बेवजह की बातों को हवा नहीं देना चाहती, इससे कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि इस तरह के चर्चे होना आम बात हो चुकी है। मलाइका ने कहा, जब भी मैं बाहर निकली हूं, चाहे वो कोई पुराना दोस्त हो, समलैंगिक दोस्त हो, शादीशुदा दोस्त हो, मैनेजर हो या कोई भी हो, मुझे तुरंत उसके साथ जोड़ दिया जाता है। ये सब तो हंसी का पात्र बन गया है। कुछ दिन पहले एक कॉन्सर्ट में मलाइका को रहस्यमयी व्यक्ति संग देखकर उनके नए रिश्ते की खबरों ने जोर पकड़ा था। सोशल मीडिया पर दावा किया गया था कि वो शख्स हीरा व्यापारी हर्ष मेहता है।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई? बताए अपने इमोशन

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है।

अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। उन्होंने शोएब इब्राहिम और दीपिका कक्कड़ के रिश्ते को लेकर कहा कि दोनों हमेशा मुस्कुराते रहते हैं लेकिन उन दोनों ने जिंदगी में काफी कुछ झेला है। दोनों ने हर मोड़ पर एक दूसरे का साथ दिया है और यही वजह है कि वे परफेक्ट कपल हैं, जो इमोशनली और प्रैक्टिकली एक दूसरे के साथ हैं।

कपल के बीचे के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है।

रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है।

उतरन में काम करने के दौरान ही रश्मि की मुलाकात एक्टर नंदीश संधू से हुई थी। कुछ साल डेट करने के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया। दोनों की शादी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई और दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए। इसके बाद उनका नाम अरहान खान और दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भी जोड़ा गया, लेकिन सिद्धार्थ शुक्ला के साथ अपने रिश्ते पर रश्मि ने कभी खुलकर बात नहीं की, लेकिन दोनों के मतभेद जगजाहिर थे।

'लईकी लईका' के नए पोस्टर में दिखी राशा थडानी और अभय वर्मा की झलक, इस अंदाज में नजर आए दोनों सितारे

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अभय वर्मा फिल्म 'लईकी लईका' के लिए पहली बार साथ आ रहे हैं। पिछले साल फिल्म 'आजाद' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली रवीना टंडन की बेटी अभिनेत्री राशा थडानी की नई फिल्म आ रही है। इस फिल्म का नाम है 'लईकी लईका'। इस फिल्म में राशा के साथ 'मुंज्या' फेम अभिनेता अभय वर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आज मेकर्स ने फिल्म से दोनों के पोस्टर जारी कर दिए हैं। इन पोस्टर्स में राशा और अभय एक साथ नजर आ रहे हैं।

इस अंदाज में दिखे राशा और अभय

फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है। जारी हुए पोस्टर्स में फिल्म के इस अनोखे नए लुक में दोनों कलाकार आधुनिक ग्रैफिटी के साथ स्ट्रीट स्टाइल में नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने कई पोस्टर जारी किए हैं। इनमें पहले पोस्टर में अभय वर्मा और राशा थडानी एक संकरी, धुंधली गली में एक दूसरे को गले लगाते हुए और खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। अभय ने गहरे रंग की, टेक्सचर्ड जिप-अप जैकेट पहनी है, जिस पर फटे-पुराने निशान साफ दिख रहे हैं। वहीं राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है जिस पर खून के छींटे लगे हैं।

2026 की गर्मियों में रिलीज होगी फिल्म

एक पोस्टर में अभय और राशा एक-दूसरे के कंधे पर सिर रखे हुए हैं और विपरीत दिशाओं में देख रहे हैं। दोनों के चेहरों पर खून के धब्बे नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने दोनों के सिंगल पोस्टर भी जारी किए हैं। इसमें राशा अपने सिर को दुपट्टे से ढके हुए हैं। उनके पीछे एक गंदी दीवार नजर आ रही है। जिस पर कई तरह के धब्बे बने हुए हैं। जबकि अभय अपने सिंगल पोस्टर में अपने हाथ से अपना मुंह छिपाए हुए हैं। इन पोस्टर्स को अपने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए फैंटम स्टूडियोज ने कैप्शन में लिखा है, 'प्यार, दर्द, भरोसा।' हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। सिर्फ इतना लिखा गया है कि फिल्म 2026 की गर्मियों में रिलीज होगी।

सौरभ गुप्ता ने किया है निर्देशन

फिल्म की कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं फिल्म का नाम भी अलग तरह का है, जिससे कहानी ज्यादा नहीं खुलती है। 'लाइकी लाइका' को सौरभ गुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है।

'पूरा भारत मेरे साथ मुस्कुरा रहा है', 'बॉर्डर 2' में ट्रोलिंग पर वरुण धवन ने ली चुटकी

वरुण धवन अपने फैंस से काफी कनेक्ट रहते हैं। यही नहीं वो अपनी ट्रोलिंग पर भी प्रतिक्रिया देते रहते हैं। अब एक बार फिर वरुण ने 'बॉर्डर 2' में हो रही अपनी ट्रोलिंग और मीम पर रिएक्ट किया है। अभिनेता वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह बना हुआ है। मेकर्स भी फिल्म के प्रमोशन में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। हालांकि, 'घर कब आओगे' गाना रिलीज होने के बाद वरुण धवन ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। गाने में उनके स्माइल को लेकर उन पर मीम बन रहे हैं। अब खुद वरुण ने अपनी ट्रोलिंग और मीम को लेकर प्रतिक्रिया दी है।

अपने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान वरुण धवन ने अपनी स्माइल को लेकर वायरल हो रहे एक मीम पर प्रतिक्रिया दी है। वरुण ने कुछ ऐसा कहा जो अब वायरल है और लोगों को पसंद आ रहा है। 'घर कब आओगे' गाने में अपने हाव-भाव को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर बात करते हुए, धवन ने लाइव की शुरुआत यह कहते हुए की, 'मुझे पता है मेरी स्माइल ट्रेंड कर रही है।' फिर उन्होंने अपने जाने-पहचाने हाव-भाव को दोहराया और गायक विशाल मिश्रा को भी ऐसा करने के लिए कहा। उन्हें निर्देश देते हुए कि पूरी तरह से मुस्कुराएं और अपनी मुस्कान को एक तरफ से नीचे गिराएं। उनकी नोकझोंक हंसी में बदल गई और धवन ने चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि पूरा भारत उनके साथ मुस्कुरा रहा है।

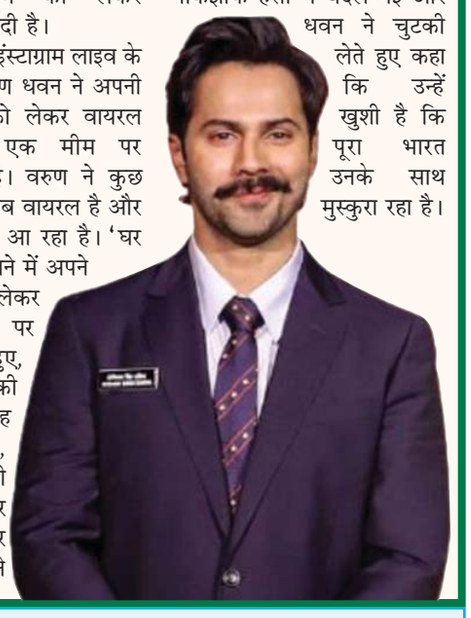

बेबी कॉर्न को डाइट में शामिल करने से मिल सकते हैं ये 5 स्वास्थ्य लाभ

बेबी कॉर्न का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें कई पोषक तत्व भी होते हैं। बेबी कॉर्न में विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ कई बीमारियों से बचाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि बेबी कॉर्न के सेवन से क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है सहायक

बेबी कॉर्न में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मददगार हो सकता है। फाइबर आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और कब्ज, गैस जैसी पाचन संबंधी समस्याओं से राहत दिला सकता है। इसके अतिरिक्त फाइबर भोजन को अच्छे से पचाने में भी मदद कर सकता है। इसके साथ ही बेबी कॉर्न का सेवन आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देकर पाचन क्रिया को सुधार सकता है।

वजन प्रबंधन में है मददगार

अगर आप वजन घटाने की कोशिश में लगे हैं तो इसके लिए भी बेबी कॉर्न का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें कम कैलोरी होती है और यह उच्च फाइबर युक्त होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है। इसके कारण आप बार-बार खाने से बच सकते हैं और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। इसके अलावा बेबी कॉर्न मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है, जिससे शरीर अधिक कैलोरी जलाता है।

आंखों की रोशनी के लिए है लाभदायक

आंखों की रोशनी को बढ़ाने में भी बेबी कॉर्न मदद कर सकता है। इसमें विटामिन-ए और विटामिन-सी होता है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी होते हैं। ये विटामिन आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने के साथ-साथ आंखों की बीमारियों जैसे मोतियाबिंद और उम्र संबंधित दृष्टि हानि से भी बचा सकते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में है प्रभावी

बेबी कॉर्न का सेवन दिल के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व दिल को स्वस्थ रखते हैं। ये तत्व रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करते हैं। इसके अलावा इनसे दिल की धड़कन भी नियमित रहती है। बेबी कॉर्न में एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

कैंसर से बचाव करने में है कारगर

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव करने में भी बेबी कॉर्न फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में हानिकारक तत्वों को खत्म कर कैंसर के जोखिम कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर आंतरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हुए कैंसर से बचाव में मदद कर सकते हैं। इस प्रकार बेबी कॉर्न का सेवन सेहत के लिए कई लाभकारी हो सकता है।

खास खबर

नक्सल पुनर्वास केंद्र सुकमा में आधार कैंप आयोजित

सुकमा। जिला प्रशासन के तत्वाधान में पुनर्वास केंद्र सुकमा में एक विशेष आधार पंजीयन कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य पुनर्वासित एवं आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना तथा उन्हें शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराना है। कैंप के माध्यम से पुनर्वास केंद्र में निवासरत लोगों के आधार कार्ड सहित आवश्यक शासकीय दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं, जिससे वे विभिन्न सरकारी योजनाओं में पंजीयन कर सकें और सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मो. शाहिद से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुनर्वास केंद्र में आयोजित आधार कैंप में कुल 18 पुनर्वासित हितग्राहियों का नवीन आधार पंजीयन सफलतापूर्वक किया गया। शेष हितग्राहियों के दस्तावेजों के अद्यतन एवं सुधार की प्रक्रिया भी त्वरित रूप से की जा रही है। यह सकारात्मक पहल छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन, पहचान और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे।

70 जरूरतमंद को मिला हेलमेट

सूरजपुर। सड़क सुरक्षा 6माह के अंतर्गत बुधवार, 14 जनवरी 2026 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने 70 जरूरतमंद लोगों को हेलमेट वितरित कर सड़क सुरक्षा का संदेश दिया, हेलमेट पहनने की अनिवार्यता क्यों जरूरी है बताई और कहा कि सुरक्षा विकल्प नहीं जिम्मेदारी है। हेलमेट का सहयोग एनजीओ मिशन नेकी ने कराया था। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने सड़क सुरक्षा के विषयों से अवगत कराते हुए जरूरतमंदों को हेलमेट वितरित किया और कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों में बिना हेलमेट वाहन चलाना, तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी है। उन्होंने बाइक चालकों को समझाया कि एक छोटी सी लापरवाही न केवल उनकी जान जोखिम में डालती है, बल्कि पूरे परिवार को संकट में डाल देती है। हेलमेट वितरण के दौरान एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, निरीक्षक राजेन्द्र साहू, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, मिशन नेकी के श्रवण जैन, अमर द्विवेदी, तेजश गोयल, निकेत अग्रवाल, आर्यन तिवारी, मुदित जैन सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

महिलाओं के लिए दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट का आयोजन

बीजापुर । कलेक्टर संबित मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे के मार्गदर्शन में महिलाओं के लिए दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह भ्रमण कार्यक्रम 12 एवं 13 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया, जिसमें बीजापुर जिले की कुल 30 महिलाएं भाग ली हैं। इनमें एनआरएलएम अंतर्गत चयनित 6 महिलाएं भी शामिल हैं। यह एक्सपोजर विजिट जिला पंचायत बीजापुर की डीपीएम कल्पना दीप एवं एरिया कोऑर्डिनेटर अविनाश तामो के नेतृत्व में आयोजित हुई। भ्रमण के दौरान महिलाओं को टोरा (महुआ बीज) से तेल उत्पादन, प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, उत्पाद मूल्य संवर्धन, संग्रहण एवं विपणन से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

कबीरधाम जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने ली समीक्षा बैठक, कहा-

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे शासकीय योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग व जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने कवर्धा में अधिकारियों की बैठक में कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आम लोगों तक पहुँचना चाहिए, यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। सभी अधिकारी अपने विभागीय दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करें। लगातार योजनाओं की मॉनिटरिंग हो जहां कमियां है उसमें तत्काल सुधार किया जाए ताकि लोगों तक योजनाओं तथा मिलने वाली सुविधाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान कार्ड, जनमन योजना जैसी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के अंतर्गत कई निर्माण कार्य चल रहे हैं, जिन्हें तय समय सीमा में और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उद्योग मंत्री देवांगन ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कबीरधाम जिले में चल रही विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान सांसद संतोष पाण्डेय, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल, पंडरिया नंदनी साहू, बोड़ला बालका वर्मा जिला पंचायत सदस्य रोशन दुबे, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह, डीएफओ निखिल अग्रवाल, प्रभारी जिला पंचायत सीईओ विनय पोयाम सहित जिला अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। उद्योग मंत्री देवांगन ने प्रधानमंत्री जनमन योजना, धान खरीदी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, आयुष्मान कार्ड सहित पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग सहित अन्य विभागों के अंतर्गत चलने वाले महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर गोपाल वर्मा ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ 2047 का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। सभी को मिलकर टीम भावना से काम करते हुए कबीरधाम जिले के विकास के लिए कार्य करना है। उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं की जानकारी दी गई है। सभी अधिकारियों को इन समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। आयुष्मान कार्ड को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ निजी अस्पतालों में निशुल्क इलाज को लेकर शिकायतें मिली हैं। इस पर उन्होंने टीम बनाकर ऐसे अस्पतालों की सूची तैयार करने, निरीक्षण करने और आयुष्मान कार्ड से निशुल्क इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिन अस्पतालों में गड़बड़ी पाई जाएगी, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री देवांगन ने कहा कि पेयजल, सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य, राशन मूलभूत आवश्यकता में शामिल है। इसके लिए सभी अधिकारी को निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारी फील्ड में दौरा करें और समस्याओं के त्वरित निराकरण करें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए निर्माधीन कार्यों का जल्द से जल्द पूरा करें। जल जीवन मिशन के तहत जानकारी लेते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य नल के माध्यम से हर घर जल पहुंचाना है। इस योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर पूर्ण गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा के भीतर होना चाहिए। कैबिनेट मंत्री ने मत्स्य विभाग के अंतर्गत कहा कि केज कल्चर सहित विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जाए, ताकि मछली पालन से उनकी आय बढ़ सके। सांसद संतोष पांडे ने कहा कि जिन विभागों के कार्यों में कमी पाई गई है, उन्हें अधिकारी प्राथमिकता के साथ और अच्छी गुणवत्ता में पूरा करें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वीकृत किए गए कार्यों को अधिकारी तय समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित करें। धान खरीदी को लेकर जानकारी लेते हुए सांसद पांडे ने कहा कि सभी किसानों का धान खरीदा जाना शासन की प्राथमिकता है। किसानों से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिले में उनके क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली। जिन स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब स्थापित है उसका लाभ लेते हुए छात्रो से विज्ञान अधारित प्रोजेक्ट बनवाएं।

उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारी उपलब्ध रहें। उन्होंने क्रिटीकल केयर युनिट के निर्माण के बारे में सीएमएचओ से जानकारी ली। विकसित भारत जी राम जी योजना में किए जा रहे जन हितैषी प्रावधानों के बारे में व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि सभी विकास कार्यों में समयबद्धता होना बहुत जरूरी है, ताकि आम जनता को सही समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने उर्वरकों के भंडारण के संबंध में कृषि अधिकारी से जानकारी लेते हुए समय पर वितरण कराने के निर्देश दिए। विधायक बोहरा ने पशु चिकित्सा मोबाइल मेडिकल यूनिट की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि यह मोबाइल यूनिट तय समय पर हर गांव तक पहुँचे।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना से बदली किसान की किस्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इस परियोजना का मुख्य उददेश्य मृदा एवं जल संरक्षण के साथ-साथ किसानों को एक ही इकाई से अत्यधिक लाभ दिलवाना है। जल सम्भरण टैंकों का उपयोग सिंचाई के साथ.साथ मत्स्य पालन तथा मुर्गीपालन इकाईयों को बढ़ावा देने में होता है, जिससे किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्त्रोत सृजित होता है। उद्यानिकी विभाग एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के सहयोग से जांजगीर जिला के विकासखण्ड जैजैपुर अंतर्गत ग्राम करौवाडीह निवासी किसान दादू राम मनहर ने पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए सब्जी उत्पादन को अपनाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई है।

वर्षों से धान की पारंपरिक खेती पर निर्भर श्री मनहर को बढ़ती लागत और अपेक्षाकृत कम लाभ के कारण आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें उन्नत सब्जी उत्पादन तकनीकों एवं शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई।

उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर श्री मनहर ने 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में मल्चिंग तकनीक के माध्यम से उन्नत बैंगन की खेती प्रारंभ की। इस हेतु उन्हें विभाग द्वारा 10 हजार की अनुदान सहायता भी प्रदान की गई। वैज्ञानिक पद्धतियों के उपयोग से मात्र दो माह में फसल की पैदावार प्रारंभ हो गई।

श्री मनहर को बैंगन की खेती से कुल 90 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ, जिससे उन्हें 2 लाख 85 हजार की कुल आय हुई। इस खेती में 1 लाख 25 हजार की लागत आई, लागत घटाने के बाद उन्हें 1 लाख 60 हजार का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। फसल की गुणवत्ता इतनी उत्कृष्ट रही कि स्थानीय बाजार के साथ-साथ ओडिशा के व्यापारी भी उपज खरीदने पहुँचे।

अप्रैल से सितंबर तक बैंगन की निरंतर पैदावार के बाद अक्टूबर माह में श्री मनहर ने लौकी की खेती की, जिससे उनकी आय और सुदृढ़ हुई। इसके पश्चात खीरा की फसल लगाकर उन्होंने फसल विविधीकरण करते हुए आय के नए स्रोत भी विकसित किए।

आज श्री दादू राम मनहर सब्जी उत्पादन को स्थायी और लाभकारी आय का माध्यम बना चुके हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय उद्यानिकी विभाग एवं शासन की योजनाओं को देते हुए कहा कि इन प्रयासों से वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन सके हैं।

विज्ञान एवं वाणिज्य विषय के अध्ययन-अध्यापन के लिए सीएम की विशेष पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । प्रदेश में नक्सल प्रभावित जिलों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों में विज्ञान एवं वाणिज्य विषय के प्रति रुचि बढ़ाने एवं शिक्षकों की कमी दूर करने के उद्देश्य से शासन द्वारा विशेष पहल शुरू की गई है।सरकार द्वारा आर्यभट्ट विज्ञान-वाणिज्य शिक्षण प्रोत्साहन योजना के तहत दुर्ग एवं जगदलपुर में 500-500 सीटर विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षण केंद्र स्थापित किए गए है। जिससे इन विशेष शिक्षण केंद्रो के माध्यम से इन वर्गो के विद्यार्थियों को विशेष अवसर मिल रहा है। आदिम जाति विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2013-14 से शुरू की गई इस योजना के तहत स्नातक स्तर पर गणित एवं विज्ञान विषय हेतु 80-80 सीटें और वाणिज्य विषय हेतु 40 सीटें आरक्षित हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर विज्ञान हेतु 80 तथा वाणिज्य हेतु 20 सीटें निर्धारित की गई हैं। बी.एड. कार्यक्रम के लिए कुल 200 सीटें स्वीकृत हैं।

मंत्री राजवाड़े ने 30 महिलाओं को सौंपी साइकिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला-बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र में 30 महिला हितग्राहियों को साइकिल सौंपी। यह कार्यक्रम सुहानी महिला समिति एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन, भटगांव क्षेत्र के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसमें बीरपुर, कसकेला, कसलगिरी, जुड़वानी एवं शिवसागरपुर ग्राम पंचायतों की महिलाओं को लाभान्वित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राजवाड़े ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। साइकिल जैसी सुविधाएं महिलाओं की दैनिक आवश्यकताओं को सरल बनाने के साथ उनके

आत्मविश्वास और स्वावलंबन को भी मजबूती प्रदान करती हैं। उन्होंने सुहानी महिला समिति एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एसईसीएल भटगांव क्षेत्र के महाप्रबंधक दिलीप माधवराव बोबड़े ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज के समग्र विकास की मजबूत नींव है।

20 वर्षों बाद गेल्हापानी को मिला अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

चिरमिरी । एमसीबी जिले के चिरमिरी अंतर्गत गेल्हापानी क्षेत्र के लिए यह दिन ऐतिहासिक बन गया, जब लगभग 20 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद क्षेत्रवासियों को अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र की सौगात मिली। मनेन्द्रगढ़ विधायक एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की संवेदनशील पहल और स्थानीय कार्यकर्ताओं के निरंतर प्रयासों से अब गेल्हापानी में सप्ताह में दो दिन डॉक्टर, नर्स और आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था शुरू कर दी गई है।

फिलहाल यह अस्थाई स्वास्थ्य सेवा स्थानीय सामुदायिक भवन में अस्थायी रूप से संचालित की जा रही है, जहां नियमित रूप से मरीजों का इलाज किया जाएगा। उप स्वास्थ्य केंद्र के शुभारंभ से क्षेत्र के लोगों में खुशी और राहत का माहौल देखने को मिला। वर्षों से इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में भटकने वाले ग्रामीणों को अब अपने ही क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

अस्थाई स्वास्थ्य केंद्र के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने डॉक्टरों का फूलों के गुलदस्ते से स्वागत किया तथा माथे पर कुमकुम लगाकर उनका सम्मान किया। इस दौरान लोगों के चेहरों पर संतोष और उम्मीद की झलक साफ नजर आई। विकासखंड के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों से संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि गेल्हापानी में डॉक्टर और दवाइयों की सुविधा लंबे समय से लोगों की मांग थी, जिसे अब पूरा किया गया है। यहां सामान्य रोगों का इलाज यहीं किया जाएगा, जबकि गंभीर बीमारियों के मामलों में मरीजों को तत्काल जिला अस्पताल रेफर किया जाएगा, जिससे उन्हें सभी आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं मिल सकें। स्थानीय लोगों का मानना है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में हर क्षेत्र और हर कॉलरी में चिकित्सा सुविधा पहुंचाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। चिरमिरी क्षेत्र की कॉलरियों में अस्पताल और डॉक्टरों की उपलब्धता इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। लोगों ने इस पहल के लिए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। स्थापना के लिए भाजपा पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वन मंत्री कश्यप ने दी 3.46 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की अविरल धारा को आगे बढ़ाते हुए आज वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने गुरुवार को बस्तर विकासखंड का सघन भ्रमण के दौरान तुरपुरा और कोटगढ़ में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 3 करोड़ 46 लाख 28 हजार रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया, जिसका सीधा लाभ ग्रामीण जनता और किसानों को मिलेगा।

इस दौरे का मुख्य फोकस किसानों के लिए सिंचाई सुविधा का विस्तार रहा। वन मंत्री ने जल संसाधन विभाग के अंतर्गत तुरपुरा जलाशय के व्यापक जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। लगभग 2 करोड़ 95 लाख 28 हजार रुपए की लागत से होने वाले इस कार्य में जलाशय बांध के ऊपर गिट्टी कार्य, नवीन स्लूस, वेस्ट वियर कार्य और नहर लाइनिंग व स्ट्रक्चर निर्माण शामिल है। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त

ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए कोटगढ़ में 20 लाख रूपए की लागत से बनने वाले नवीन पंचायत भवन, मुण्डागुड़ा में 5 लाख रुपये के रंगमंच निर्माण और केशरपाल में उसरीगुड़ा से नहरनी पहुंच मार्ग पर 5 लाख रूपए की लागत से बनने वाली पुलिया का भी भूमिपूजन किया गया।

वन मंत्री श्री कश्यप ने क्षेत्र के भ्रमण के दौरान नये कार्यों की आधारशिला रखने के साथ ही ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए 21 लाख रूपए की लागत से निर्मित पक्की सड़कों का लोकार्पण भी किया। इसमें कुम्हली में मंगियापारा से मुख्यमार्ग तक, केशरपाल (सोरगांव) में हिरा घर से भागमन घर तक और सोलेमेटा में अक्षय घर से पंचू घर तक बनी तीन अलग-अलग सीसी सड़कें शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की लागत 7 लाख रूपए है। इस प्रकार वन मंत्री कश्यप ने कुल 3 करोड़ 25 लाख 28 हजार रुपए लागत के नए कार्यों का भूमिपूजन और 21 लाख रुपए के पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण कर क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी कटिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए वन मंत्री कश्यप ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर सार्थक प्रयास करने भरोसा दिलाया और इन योजनाओं के दूरगामी लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य केवल आधारशिला रखना नहीं, बल्कि समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित करना है।

खेती-किसानी को मिलेगा बढ़ावा

वन मंत्री श्री कश्यप ने क्षेत्र की सबसे बड़ी परियोजना 2.95 करोड़ रुपए की लागत वाले तुरपुरा जलाशय जीर्णोद्धार पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा बस्तर की आत्मा यहां के खेती-किसानी में बसती है। तुरपुरा जलाशय में नई स्लुइस गेट, वेस्ट वियर और नहरों की लाइनिंग का कार्य केवल कंक्रीट का निर्माण नहीं है, बल्कि यह इस क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के लिए जीवनदायिनी है।

शंकुतला फाउंडेशन की चित्रकला स्पर्धा में बच्चों ने दिखाई कलात्मक प्रतिभा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शकुंतला फाउंडेशन ने कलेक्ट्रेट परिसर गार्डन स्थित बापू की कुटिया में बच्चों के लिए चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया। इस स्पर्धा का शीर्षक था 'अपना रायपुर, स्वच्छ रायपुर', जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर शकुंतला फाउंडेशन के अध्यक्ष स्मिता सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करना और उनकी कलात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देना है।

स्पर्धा में भाग लेने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर उनका मनोबल बढ़ाया गया। निर्णायक विवेक सोलंकी रहे। इस

अवसर पर प्रसिद्ध दंत चिकित्सक श्रद्धा निर्मलकर ने बच्चों और बड़ों के दांतों का चेकअप किया और देखभाल के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्रीति रानी तिवारी व्याख्याता, समाजसेवी पीयूष जैन रहे। इस आयोजन में शकुंतला फाउंडेशन के अध्यक्ष स्मिता सिंह, सुषमा बग्गा, पदमा घोष, कृष्णा, प्रवीण जैन, सिमरन, चंदन दासवानी आदि उपस्थित रहे। बाल कलाकारों में प्रतिभा जगत, आर्यन पांडे, रीवा जैन ,आदि की चित्रकारी प्रशंसनीय रही।

खास खबर

गरम रोटी के लिए पत्नी को आयरन से मारा, केस

बिलासपुर। बिलासपुर मंगला स्थित दीनदयाल कॉलोनी में गरम रोटी देने की बात पर पति और सास ने मिलकर एक विवाहिता की बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़िता की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता चित्रा पंजवानी ने बताया कि बुधवार रात वह खाना बनाकर पति भरत पंजवानी के आने का इंतजार कर रही थी। पति के घर आने के बाद उसने भोजन परोसा, लेकिन भरत गरम रोटी की मांग करते हुए गाली-गलौज करने लगा। जब चित्रा ने मना किया तो विवाद इतना बढ़ गया कि भरत ने पास रखा भारी-भरकम इलेक्ट्रिक आयरन उठाकर चित्रा पर दे मारा। इससे उसके बाएं हाथ की कोहनी के नीचे गंभीर चोट आई। बीच-बचाव करने के बजाय सास सुनीता पंजवानी ने चित्रा के बाल पकड़ लिए और उसे थप्पड़ जड़ दिए। इसके बाद पति ने डंडे और चप्पल से चित्रा के पेट, सिर और पैरों पर कई वार किए। इसके बाद पीड़िता ने डायल 112 में कॉल कर घटना की जानकारी दी।

फैक्ट्री में कार्य के दौरान 70 लाख से अधिक का हेराफेरी, जुर्म दर्ज

रायपुर। रामा मोटू लिमिटेड रावाभाठा में स्पेयर पार्ट इसू कराने के नाम पर 70 लाख से अधिक का गबन करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी केतन चौधरी 30 वर्ष रामा मोटू कार्यालय मेटल पार्क रावाभाठा ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि आरोपी मुनीर अहमद 37 वर्ष ने कंपनी में काम करने के दौरान स्पेयर पार्ट इसू कराने के नाम पर 70 लाख 41619 रुपए गबन कर लिया। जब इस बात की जानकारी प्रार्थी को मिली तो उसने इसकी शिकायत खमतराई थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

राजनांदगांव में पकड़ाया 1.46 करोड़ का अवैध धान

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में 1.46 करोड़ का अवैध धान पकड़ाया है। गुरुवार रात रानीतालाव-पाटेकोहरा के बीच पुलिस ने नाकेबंदी कर चेकिंग की। इस दौरान महाराष्ट्र से आ रहे 6 बड़े ट्रकों को रोका गया। इसके साथ ही अलग-अलग चेकपोस्ट पर धान लोड 4 गाड़ी पकड़ाई। जांच करने पर सभी गाड़ियों में धान मिले, जिसका कोई दस्तावेज नहीं था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी गाड़ियों को जब्त किया और 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। राजनांदगांव कलेक्टर जितेंद्र यादव ने कहा कि धान खरीदी के अंतिम दिनों में बिचौलियों की सक्रियता बढ़ जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रशासन पूरी तरह सजग है और किसी भी सूरत में अवैध धान को खपाने नहीं दिया जाएगा। अवैध परिवहन करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कांकेर में जुआ खेल रहे 6 जुआरी पकड़ाये

कांकेर। जिले के थाना नरहरपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र में खुडखुडिया (जुआ) खेल रहे 6 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से नगदी रकम 7400 रूपये, ईंट, पान, चिड़ी, झण्डा, मुण्डा हुकुम बना फ्लैक्सी ,खुड़खुड़िया चार्ट एवं 06 नग प्लास्टिक गोटी बरामद किया है। आरोपियों का कृत्य धारा 6 (क) छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 का पाये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को दिया गया। माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया। थाना नरहरपुर में धारा 6 (क) छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 कायम कर आरोपियों का कृत्य अजमानतीय होने से रिमाण्ड फार्म तैयार कर, न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया।

मांझे से किसी के गाल कटे तो किसी के होंठ, भिलाई में मजदूर का गला कटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने की परंपरा एक बार फिर चाइनीज मांझे के कारण जानलेवा साबित हुई। रायपुर में एक छात्र के गाल कट गए। वहीं भिलाई में एक ठेका मजदूर घायल हो गया। पहली घटना रायपुर के पंडरी एक्सप्रेस-वे पर हुई। इस हादसे में छात्र संकल्प द्विवेदी गंभीर रूप से घायल हो गया।

वह अपनी बड़ी बहन को स्कूल छोड़ने जा रहा था, तभी चलती गाड़ी में चाइनीज मांझा उसके चेहरे में फंस गया। इससे छात्र के गाल कट गए। वह लहूलुहान हो गया। छात्र को 34 टांके लगाने पड़े। हादसे में छात्र की बहन के हाथ भी मांझे से कट गए।

डॉक्टरों ने बताया कि चाइनीज मांझे से लगे घाव के निशान स्थायी रह सकते हैं, इसलिए प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी गई है। इस पहले रविवार शाम करीब 5 बजे पतंग के चाइनीज मांझे से कटने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। महिला शाम को पैदल मंदिर जा रही थी, तभी मांझा उनके चेहरे में फंस गया। महिला ने मांझा हटाने की कोशिश की, जिससे उनके होंठ और अंगूठे में गहरा कट लग गया। भिलाई में मकर संक्रांति के दिन कुछ युवक चाइनीज मांझे से पतंग उड़ा रहे थे।

साइकिल से घर लौटते समय पतंग का चाइनीज मांझा सीधे श्रमिक के गले में उलझ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल की पहचान असलम (42 वर्ष) निवासी चांदनी चौक, कोहका के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि असलम भिलाई इस्पात संयंत्र में ठेका श्रमिक है। घटना के बाद उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

नेता प्रतिपक्ष के पास पहुंचा छात्र, कार्रवाई की मांग

रायपुर की घटना के बाद छात्र संकल्प द्विवेदी निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के पास पहुंचा और कहा कि जो हादसा उसके साथ हुआ, वह किसी और परिवार के साथ न हो। छात्र ने आरोप लगाया कि निगम स्तर पर शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा है कि पीड़ित को हर संभव मदद दी जाएगी। उनके मुताबिक रायपुर में लगातार हो रही ऐसी घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने नगर निगम आयुक्त और जिला कलेक्टर से मांग की है कि चाइनीज मांझे की बिक्री, भंडारण और उपयोग पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिकों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। रायपुर के ब्राह्मणपारा निवासी नेहा यादव ने बताया कि वह रविवार शाम घर से पैदल मंदिर जाने निकली थी। मंदिर के पास पहुंचते ही अचानक कुछ उनके चेहरे से टकराया। जब उन्होंने उसे हटाने की कोशिश की तो पहले होंठ कट गया, फिर अंगूठा कट गया। उस समय कुछ समझ नहीं आया। अचानक खून बहने लगा।

दर्द के कारण चीख निकल गई। आसपास के लोग दौड़कर आए। होंठ दबाकर खून रोका गया, तब तक कपड़े लहूलुहान हो चुके थे। इसके बाद वह नजदीकी डॉक्टर के पास गई, जहां डॉक्टर ने 10 टांके लगाए और आराम करने की सलाह दी। मांझा कहां से उड़कर आया, यह उन्हें समझ ही नहीं आया।

पांच साल की सजा या 5 लाख जुर्माने का प्रावधान

अधिवक्ता विपिन अग्रवाल ने बताया कि उल्लंघन पर 1 साल की सजा और 5 लाख तक जुर्माना हो सकता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने वर्ष 2017 में चाइनीज और नायलोन मांझे पर प्रतिबंध लगाया था।

तिल्दा में शराब दुकान से चार कर्मचारी अगवा, इलाके में मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तिल्दा क्षेत्र की अंग्रेजी और देशी शराब दुकान से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां अज्ञात बदमाशों ने दुकान में घुसकर कर्मचारियों के साथ मारपीट की और चार कर्मचारियों को जबरन अपने साथ ले गए। घटना के दौरान एक कर्मचारी किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल रहा, जबकि चार अन्य कर्मचारियों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम शराब दुकान में कर्मचारी रोज़ की तरह ड्यूटी पर तैनात थे। इसी बीच कुछ अज्ञात लोग अचानक दुकान में घुसे और कर्मचारियों से बदसलूकी करने लगे। देखते ही देखते बदमाशों ने चार कर्मचारियों को जबरदस्ती अगवा कर लिया। अचानक हुई इस वारदात से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और अगवा किए गए कर्मचारियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित गवाहों से पूछताछ की जा रही है।

स्थानीय व्यापारियों और कर्मचारियों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अगवा करने के पीछे क्या कारण हो सकता है और क्या यह वारदात पहले से सुनियोजित थी। फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

तालाब में मिला युवक का शव, कुसुमकसा गांव में मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के कुसुमकसा गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गांव के तालाब में एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ नजर आया। तालाब में लाश देखे जाने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत राजहरा थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस

टीम तत्काल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकाला गया। मृतक की हुई पहचान पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान ग्राम चिपरा निवासी चंद्रप्रकाश ठाकुर (28 वर्ष) के रूप में हुई है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है।

प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की मौत डूबने से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। परिजनों में पसरा मातम घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। परिजनों के गांव पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया।

वहीं पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक किन हालात में तालाब तक पहुंचा। हर एंगल से जांच जारी राजहरा थाना पुलिस ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चोरी से पूरे करते थे अपने शौक, तीन चोर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। संजय मार्केट में दुकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी करने वाले तीन आरोपियों को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की गई रकम से अपने शौक पूरे करने वाले इन आरोपियों के कब्जे से नकदी के साथ-साथ उसी पैसे से खरीदे गए कपड़े, जूते और म्यूजिक स्पीकर भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार संजय मार्केट में दुकान नंबर 22 के संचालक शिव राम यादव ने 13 जनवरी को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि उनकी होलसेल नारियल की दुकान है। 8 जनवरी को घरेलू काम से वे केशकाल गए हुए थे। अगले दिन सुबह करीब 9 बजे जब दुकान पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा हुआ था और दराज में रखी 60 हजार रुपए नकद व 3 हजार रुपए के सिक्के, कुल 63 हजार रुपए चोरी हो चुके थे।

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें तीन युवक चोरी करते हुए दिखाई दिए। पहचान होने पर पुलिस ने त्रिलोचन उर्फ सोनू कश्यप (19), इरफान सिद्दीकी (19) और कुशल नायडु (35) को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ में तीनों ने चोरी करना स्वीकार किया।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चोरी की रकम आपस में बांट ली गई थी और उसी पैसे से अपने शौक पूरे करने के लिए कपड़े, जूते और म्यूजिक स्पीकर खरीदे गए थे। गवाहों के समक्ष कार्रवाई कर तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

मंडई मेले में हत्या का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। ग्राम पिपलाकछार में मंडई मेले के दौरान हुए सनसनीखेज हत्या कांड का पुलिस ने तेजी से खुलासा कर दिया है। घटना के महज 24 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को पुलिस अभिरक्षा में लेकर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना 13 जनवरी 2026 की शाम की है। ग्राम पिपलाकछार के बाजार चौक में आयोजित मंडई मेले के दौरान झूले में कूदने को लेकर कुछ युवकों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद

बढ़ता देख मोरध्वज पटेल (26) बीच-बचाव के लिए मौके पर पहुंचा। इसी दौरान आरोपी हेमचंद उर्फ हर्षू निषाद ने धारदार हथियार से मोरध्वज पर हमला कर दिया।

हमले में गंभीर रूप से घायल मोरध्वज को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरागढ़ ले जाया गया, जहां से उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस विवेचना में सामने आया कि बीच-बचाव के दौरान मृतक की विधि से संघर्षरत बालक से भी कहासुनी हुई थी। इसी दौरान उसने भीड़ का फायदा उठाते हुए चाकू से पेट पर वार किया। मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 14 जनवरी को मुख्य आरोपी हेमचंद निषाद, निवासी अमलीडीह खुर्द, को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही विधि से संघर्षरत बालक की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया गया है।

पुलिस ने मुख्य आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

इमारती लकड़ी का अवैध रूप से परिवहन करने पर की गई जप्ती कार्रवाई

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए सघन जांच अभियान के तहत राजस्व विभाग की टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। तहसीलदार लाल बहादुर नगर अमीय श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम खुबाटोला में इमारती लकड़ी का अवैध रूप से बिना दस्तावेज के परिवहन किया जा रहा था। जिसे जप्त कर कार्रवाई के लिए वन विभाग को सुपुर्द किया गया।

अवैध रूप से गांजा परिवहन कर रहे आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले की अर्जुनी थाना पुलिस ने अवैध रूप से गांजा परिवहन कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 12.538 किलोग्राम गांजा जब्त किया है।

थाना अर्जुनी को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भोयना ग्राम पंचायत के पास धमतरी-नगरी मार्ग पर अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का परिवहन किया जा रहा है। सूचना प्राप्त होते ही थाना अर्जुनी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर तत्काल नाकाबंदी कर प्रभावी कार्यवाही की गई। नाकाबंदी के दौरान दो व्यक्तियों को मोटरसाइकिल से अवैध मादक पदार्थ गांजा का परिवहन करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। पुछताछ में आरोपियों ने अपना नाम तिलेश सिंह ठाकुर, पिता संतोष सिंह, उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 03, गोपीबंद, पंडरिया थाना पंडरिया, जिला कोरबा तथा तरूणा सिंह राजपूत, पिता शांतिलाल, उम्र 26 वर्ष निवासी सुभाष ब्लॉक, एसईसीएल कॉलोनी थाना कोतवाली, जिला कोरबा का होना बताया। जिनकी तलाशी लेने पर उनके पास से 12.538 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, अनुमानित कीमती 1,25,380 रूपये जब्त किया गया।

रायपुर में 3.40 लाख कैश के साथ 2 तस्कर पकड़ाए : खुलेआम बेचते थे अवैध शराब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के गंज मंडी इलाके में अवैध शराब की बिक्री की सूचना पर पुलिस ने रेड मारी और 2 तस्करों को पकड़ा है। आरोपियों से 3.40 लाख कैश और 42.840 बल्क लीटर देसी शराब, 2 मोबाइल और एक्टिवा गाड़ी जब्त की है।

मामला गंज थाना क्षेत्र का है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में ये बात सामने आई है कि अवैध बिक्री में दर्जनों तस्कर शामिल है। पुलिस अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रही है। इनके पास शराब कहां से पहुंचती थी, पुलिस इसकी

भी जांच कर रही है। गंज मंडी इलाके में शराब तस्करों द्वारा अवैध रूप से देसी शराब बेची जा रही है। पुलिस ने मामले में जांच की और बुधवार को दबिश देकर 2 आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों ने पूछताछ में आधा दर्जन से ज्यादा तस्करों का नाम पुलिस को बताया है। सिंडिकेट के मास्टर माइंड और अन्य सदस्यों की पुलिस तलाश कर रही है। आरोपियों पर आबकारी एक्ट के तहत पुलिस ने कार्रवाई की है। मुखबिर की सूचना पर गंज पुलिस ने आरोपियों को घेराबंदी करके पकड़ा।

सरकारी शराब पहुंचाने वालों की जांच

आरोपियों के सिंडिकेट को सरकारी शराब कौन सप्लाई कर रहा था। जांच अधिकारी तकनीकी जांच के आधार पर इसका पता लगाने में जुटे हुए है। आने वाले दिनों में अवैध रूप से शराब बेचने वाले आरोपियों पर और बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कैलाश नगर में ज्वेलर्स की दुकान में चोरी से पहले पकड़ाए चोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र के अंतर्गत कैलाश नगर में चौरसिया ज्वेलर्स के यहां चोरी का प्रयास किया गया। 14 जनवरी के तड़के चार बजे ज्वेलर्स की दुकान में चोरी के लिए दीवार तोड़ने का प्रयास किया जा रहा था। इस दौरान आसपास के लोगों ने दुकान संचालक को सूचना दी। दुकान संचालक गोपाल चौरसिया ने जामुल पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद जामुल पुलिस मौके पर पहुंची तो चोर भागने लगे। पीछा कर पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से सब्बल व लोहे की राड जब्त की।

इस मामले में प्रार्थी गोपाल

चैरसिया बताया कि कैलाश नगर मोहनी मंगल के बगल में इनकी चैरसिया ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। 13 जनवरी की रात करीबन 9:30 बजे बंद कर अपने घर चला गया था। 14 जनवरी की सुबह 4 बजे पड़ोसियों द्वारा फोन कर बताया आपकी दुकान से अवाजें आ रही हैं। इसके बाद जामुल पुलिस को इस संबंध में सूचना दिया गया।

जामुल पुलिस द्वारा मामले को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल पर दबिश दी गई। पुलिस की गाड़ी को आता देख संदेही भागने का प्रयास करने लगे जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा गया। संजय ठाकुर पिता स्व. खेमू ठाकुर उम्र 24 साल निवासी खैरा थाना साजा जिला बेमेतरा एवं आशीष वर्मा पिता सियाराम वर्मा उम्र 28 साल निवासी ग्राम सण्डी थाना गंडई से पूछताछ करने पर चोरी की नियत से ज्वेलर्स दुकान की दीवार को तोड़ना बताया। आरोपियों के कब्जे से सब्बल व लोहे की राड बरामद किया गया। आरोपीगणों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में केन्द्रीय जेल दुर्ग भेजा गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक रामेन्द्र सिंह, सउनि बेनी सिंह राजपुत, आरक्षक गैंद कुमार देवांगन, तोषण चन्द्राकर, पी. संतोष, अतुल यादव का विशेष योगदान रहा।

महुआ शराब बिक्री करने वाला पकड़ाया

बिलासपुर। बिलासपुर की कोटा थाना पुलिस ने अवैध धनार्जन के उद्देश्य से भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 60 लीटर महुआ शराब जब्त किया है। 14जनवरी को सूचना मिली कि वर्मा मोहल्ला ग्राम गनियारी में एक व्यक्ति अपने कब्जे में भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब को अवैध रूप से धनार्जन करने के उद्देश्य से भारी मात्रा में बिक्री कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारिओ को अवगत कराया गया जिनके निर्देशानुसार व मार्गदर्शन में टीम गठित कर वर्मा मोहल्ला ग्राम गनियारी में रेड कार्यवाही करते हुये आरोपियो को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

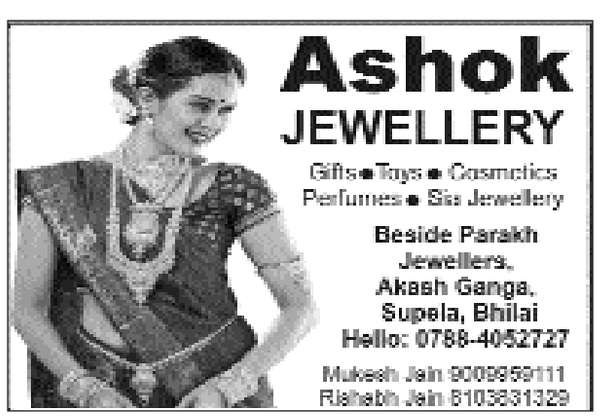

प्रमुख खबरें

बसंत पंचमी 23 को, होलिका स्थल पर गड़ेगी अंडा की टहनी

रायपुर। ऋतु परिवर्तन का पर्व एवं मां सरस्वती की आराधना एवं मां परमेश्वरी की आराधना का पर्व वसंत पंचमी राजधानी सहित प्रदेश भर में धूमधाम से मनाया जाएगा। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसे कामदेव और रति के मिलन का पर्व भी माना जाता है। बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाया जाएगा। इसी दिन होली पर्व का अंडा वृक्ष भी गड़ाया जाता है। देवांगन समाज में परमेश्वरी महोत्सव का उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस दिन देवांगन समाज में युवक युवती परिचय सम्मेलन सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। महाराष्ट्रीयन समाज में बसंत पंचमी पर विवाह के संयोग को सवार्थ सिद्ध योग के रूप में माना जाता है।

खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स : मशाल गौरव यात्रा

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने आज संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के शुभंकर 'मोर वीर' का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। श्रीमती मिश्रा ने जिले में 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के व्यापक प्रचार-प्रसार और आम लोगों को इससे जोड़ने के लिए पहुँचे 'मशाल गौरव यात्रा' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 'मशाल गौरव यात्रा' वाहन पूरे प्रदेश का भ्रमण कर नागरिकों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्राची ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को किया सम्मानित

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर द्वारा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-के मतदान केन्द्र क्रमांक 22 बजरंगपुर नवागांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बीएलओ सुनीता सेवता तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 17 पेण्ड्री की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बीएलओ जीनत ठाकुर को सम्मानित किया।

स्वास्थ्य अधोसंरचना, जन कल्याण और सामाजिक विकास को गति

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर में 122 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन, 30 बिस्तर अस्पताल की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर प्रवास के दौरान जिले में स्वास्थ्य, अधोसंरचना, जनकल्याण और सामाजिक विकास के कार्यों को ऐतिहासिक गति प्रदान की। उन्होंने जिले में 122 करोड़ से अधिक के विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया और उज्ज्वला योजना के तहत 2 हजार से अधिक महिलाओं को घरेलू गैस कनेक्शन प्रदान किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विकासखंड बगीचा में लगभग 2.43 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण करते हुए इसे वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा सहित लगभग दो लाख की आबादी के लिए जीवनरेखा बताया। इस आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र में जनरल सर्जरी, ईएनटी, शिशु रोग, अस्थि रोग, स्त्री रोग सहित विशेषज्ञ सेवाएँ और आधुनिक लैब जांच की सुविधा उपलब्ध होगी तथा इसके सुचारु संचालन के लिए 100 मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिससे गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अब लोगों को दूर शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इसी परिसर में मेगा हेल्थ कैंप का शुभारंभ भी किया, जिसमें न्यूरो, नेफ्रोलॉजी, हड्डी रोग, स्त्रीरोग, ईएनटी, प्लास्टिक सर्जरी सहित सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने हजारों लोगों की जांच, लैब टेस्ट और निःशुल्क दवा वितरण किया तथा गंभीर रोगियों को उच्चस्तरीय अस्पतालों में रेफर करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा सुलभ हो और इसी लक्ष्य से जशपुर में मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, फिजियोथेरेपी कॉलेज और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना की जा रही है।

बगीचा में उज्जवला महोत्सव में मुख्यमंत्री श्री साय ने 2 हजार से अधिक महिलाओं को घरेलू गैस कनेक्शन प्रदान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उज्जवला योजना से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति, स्वास्थ्य सुरक्षा और आत्मसम्मान मिला है। उन्होंने मुद्रा योजना के अंतर्गत युवाओं को रोजगार प्रारंभ करने के लिए ऋण का चेक वितरण भी किया तथा बगीचा में आत्मानंद स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, बगीचा-बिंदे मार्ग पर पुल, कन्हर नदी पर पुल और बगीचा रेस्ट हाउस के उन्नयन की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी जी की गारंटी पर जनता ने विश्वास जताया है और सरकार बनते ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख घर स्वीकृत किए गए, जिनमें से 8 लाख से अधिक पूर्ण हो चुके हैं, धान की 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी, 3100 रूपए प्रति क्विंटल भुगतान, बोनस भुगतान, तेंदूपत्ता दर वृद्धि और महतारी वंदन योजना से 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक-एक हजार रूपए की सहायता जैसे फैसलों से आमजन के जीवन में ठोस बदलाव आया है।

चचिया धान खरीदी केंद्र में हाथी की एंट्री मची अफरातफरी

कोरबा (श्रीकंचनपथ समाचार)। कोरबा जिले के चचिया धन खरीदी केंद्र में उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब अचानक एक हाथी केंद्र परिसर में पहुंच गया। हाथी की खबर मिलते ही धान खरीदी केंद्र में मौजूद कर्मचारी दहशत में आ गए। कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए हाथी को खदेड़कर धान को बचाने का प्रयास किया। कर्मचारियों के अनुसार, हाथी कुछ समय तक केंद्र के आसपास घूमता रहा, जिससे किसी बड़ी घटना की आशंका बनी हुई थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले भी कई बार हाथी यहां आकर केंद्र में घुस जाते हैं और धान खाकर वापस जंगल की ओर लौट जाते हैं। हाथियों की लगातार आवाजाही के कारण कर्मचारियों और किसानों में भय का माहौल बना रहता है।

साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर अमित को मिला 'युवा रत्न सम्मान'

अंबिकापुर। स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस पर रायपुर में आयोजित समारोह में सरगुजा जिले के अमित यादव को युवा रत्न सम्मान से नवाजा गया। यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदान किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अमित को साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग सरगुजा के सहायक संचालक ने बताया कि जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति/संगठन की अनुशंसा कर शासन को भेजा गया।

लीथियम खदान की नीलामी में छत्तीसगढ़ बना अग्रणी

खनिज विकास निगम के अध्यक्ष ने दी खनिज उत्खनन से होने वाली राजस्व वृद्धि की जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सचिव पी दयानंद ने बताया कि राज्य खनिज संपदा से भरपूर है। यहां 28 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं, खनिजों के अन्वेषण और उत्खनन के लिए ब्लॉक तैयार कर नीलामी की जाती है, इससे खनिज राजस्व में निरंतर वृद्धि हो रही है। छत्तीसगढ़ लीथियम खदान की नीलामी करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। खनिज विकास निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक सौरभ सिंह ने पत्रकारों से सवालों का जवाब दिया।

आज यहां संवाद के ऑडिटोरियम में आयोजित पत्रकारवार्ता में सचिव पी दयानंद और खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह ने पत्रकारों को बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। राज्य सरकार व्दारा खनिजों के विकास एवं दोहन के लिए की जा रही योजनाबद्ध कार्यवाही के परिणामस्वरूप राज्य के खनिज राजस्व में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

श्री दयानन्द ने कहा कि राज्य गठन के समय 429 करोड़ खनिज राजस्व में वृद्धि करते हुये अपने रजत जयंती वर्ष 2024-25 तक 14,592 करोड़ का सोपान तय किया है तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह दिसम्बर, 2025 तक खनिजों से राज्य शासन को लगभग 10,345 करोड़ राजस्व प्राप्त हो चुका है एवं वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक लगभग 17,000 करोड़ लक्ष्य की पूर्ति हेतु अग्रसर है। छत्तीसगढ़ राज्य देश में कुल खनिज उत्पादन का औसतन 17 प्रतिशत हिस्सेदारी में योगदान है तथा राज्य के कुल सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 10 प्रतिशत योगदान दे रहा है।

सचिव ने बताया कि प्रधानमंत्री खनिज कल्याण क्षेत्र योजना गाईड लाईन-2024 के मार्गदर्शी सिद्धांतों को आत्मसात कर छत्तीसगढ़ जिला खनिज संस्थान न्यास नियम, 2015 में संशोधन किये गये है। अब तक डीएमएफ अन्तर्गत 16,742 करोड़ का अंशदान प्राप्ति हुई है जिसका खनन प्रभावित क्षेत्रों/लोगों के विकास हेतु 1.07,689 कार्यों की स्वीकृति की गई है।

इलेक्ट्रिशियन से पुलिस आरक्षक बने सुरेश

रायपुर। श्रम विभाग द्वारा संचालित निःशुल्क कोचिंग योजना एक बार फिर अपनी सार्थकता सिद्ध करती नजर आई है। योजना से लाभान्वित होकर ग्राम बेलखुरी निवासी सुरेश कुमार लोधी ने पुलिस विभाग में आरक्षक पद पर चयन प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। श्री सुरेश कुमार लोधी पूर्व में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार बोर्ड में इलेक्ट्रीशियन के रूप में पंजीकृत थे। सीमित आय और संसाधनों के बावजूद उनके मन में शासकीय सेवा में जाने का दृढ़ संकल्प था। श्रम विभाग की निःशुल्क कोचिंग योजना ने उनके सपनों को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्हें अनुभवी मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री तथा नियमित अभ्यास का अवसर मिला।

दंतेवाड़ा में स्वास्थ्य सेवाओं का उन्नयन पहली बार बदला गया महिला का घुटना

टीकेआर की सफल सर्जरी के बाद घटी बड़े शहरों पर निर्भरता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बरसों से घुटने के दर्द के साथ जी रही एक आदिवासी महिला के लिए यह सिर्फ सर्जरी नहीं, बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत है। दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में पहली बार एडवांस्ड टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई—और इसी के साथ यह भरोसा भी मजबूत हुआ कि अब इलाज के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों की मजबूरी नहीं रही।

कुआकोंडा विकासखंड के महारापारा की 45 वर्षीय श्रीमती शांति साप्ताहिक हाट में चूड़ियों का छोटा-सा व्यवसाय करती थी। दाएं घुटने के असहनीय दर्द ने काम, आमदनी और आत्मविश्वास—सब कुछ छीन लिया था। जिला अस्पताल में उन्हें गंभीर ऑस्टियोआर्थराइटिस बताया गया। 6 जनवरी को भर्ती और 13 जनवरी को उनका टोटल नी रिप्लेसमेंट किया गया। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। आज शांति के चेहरे पर सुकून है—पहले हर कदम दर्द देता था, अब आराम है, उन्होंने मुस्कराते हुए कहा। ऑपरेशन करने वाले ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञों के मुताबिक यह अत्याधुनिक प्रक्रिया घुटने के क्षतिग्रस्त जोड़ को कृत्रिम इम्प्लांट से बदलती है, जिससे लंबे समय का दर्द खत्म होता है और चलने-फिरने की क्षमता लौटती है। इसका पूरा खर्च आयुष्मान भारत योजना के तहत हुआ। उन्होंने सरकार और अस्पताल प्रशासन का आभार जताया। चिकित्सकों का कहना है कि आदिवासी बहुल दंतेवाड़ा जैसे जिले में इस स्तर की सर्जरी का होना सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए मील का पत्थर है। प्रशिक्षित सर्जन, एनेस्थीसिया सपोर्ट, नर्सिंग स्टाफ और मजबूत पोस्ट-ऑपरेटिव केयर—सबकी साझा मेहनत ने यह संभव किया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार यह सुविधा शासन की योजनाओं के तहत निःशुल्क उपलब्ध है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी अत्याधुनिक इलाज अपने जिले में ही मिल सके दंतेवाड़ा के लिए यह सिर्फ एक मेडिकल उपलब्धि नहीं—यह भरोसे की जीत है।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग योजना में भारी अनुदान

राजनांदगांव। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना अंतर्गत स्वरोजगार स्थापना के लिए बैंक शाखाओं के माध्यम से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाई के उन्नयन तथा नवीन उद्योग की स्थापना पर लिए गए ऋण के टर्म लोन पर 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख रूपए का अनुदान दिया जाता है। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जिले में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग-जैसे हालर मिल, फ्लोर मिल, जैम, जैली, मुर्रा, बड़ी, पापड़, आचार, बेकरी आईटम, डेयरी, मसाला, आटा चक्की, मिक्सर, चिप्स, टोमैटो सॉस, रेडी टू ईट एवं अन्य खाद्य उत्पाद स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। योजना के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र में उपलब्ध है।

वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ

रायपुर में 5 लाख कंठों से गूंजा वन्देमातरम्

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर पांच लाख विद्यार्थियों ने एक साथ एक ही समय पर वंदेमातरम् का गायन किया। मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा तथा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब उपस्थित रहे।

अकेले सुभाष स्टेडियम में 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता की, जबकि शेष विद्यार्थियों ने अपने-अपने विद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों में एक साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया। इस प्रकार एक ही समय पर 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन कर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि टंकराम वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को वंदे मातरम केवल कंठस्थ ही नहीं, बल्कि उसके भाव और अर्थ को भी समझना चाहिए। यह हमारा राष्ट्रीय गीत है, जो देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करता है।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में पांच लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक गायन एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने आयोजन के लिए सभी को बधाई दी। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि वंदे मातरम गीत हमारे इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह गीत देश के लिए ऊर्जा और शक्ति का स्रोत है। यदि विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन इसका नियमित गायन किया जाए, तो निश्चित रूप से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और अनुशासन की भावना विकसित होगी। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे मातरम को केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों का प्रेरक मंत्र बताया है। मातृभूमि की वंदना का यह गीत आज पूरे देश में गाया जा रहा है। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लगभग 3000 विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में एक साथ 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक गायन कर इतिहास रच दिया।

छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने वंदे मातरम् गीत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा की वंदे मातरम् का रचना बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1876 में किया गया था। जब भारत परतंत्र था, इस राष्ट्रीय गीत ने युवाओं में एक ऊर्जा का संचार किया और वे भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी और हमें स्वतंत्रता दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान सेना दिवस के उपलक्ष्य में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों डॉ. हीरेंद्र त्रिपाठी, किशोरी लाल, संतोष कुमार, देवेंद्र कुमार एवं योगेश कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। डिग्री गर्ल्स कॉलेज, दानी गर्ल्स स्कूल, संत गोविंदराम सदानी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, छत्तीसगढ़ कॉलेज ऑफ नर्सिंग सहित अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। महापौर मीनल चौबे, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष दीपक महस्के, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित थे।

बलरामपुर-रामानुजगंज की अनूठी संस्कृति और लोकपरंपराओं को सहेजने का संकल्प

आस्था और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक तातापानी महोत्सव में बिखरी वनांचल संस्कृति की महक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिला अपनी अनूठी संस्कृति और लोक परंपराओं के लिए अपनी विशेष पहचान रखता है। इसी गौरवशाली विरासत को संजोने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर आयोजित इस महोत्सव के पहले दिन सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को उत्साह से भर दिया। इस मौके पर आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

मंत्री श्री नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि तातापानी महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। प्रशासन और स्थानीय जनभागीदारी से यह आयोजन प्रतिवर्ष नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

महोत्सव की पहली सांस्कृतिक संध्या के मुख्य आकर्षण प्रदेश के सुप्रसिद्ध कलाकार और पद्मश्री से सम्मानित अनुज शर्मा रहे। उन्होंने अपनी टीम के साथ छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की ऐसी जादुई प्रस्तुति दी कि पंडाल में मौजूद हजारों दर्शक मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। इसके साथ ही स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन कर वनांचल की समृद्ध संस्कृति की छटा बिखेरी।

कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों ने न केवल पारंपरिक लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया, बल्कि जिले में हो रहे विकास कार्यों को भी रचनात्मक ढंग से मंच पर उतारा। अतिथियों ने बच्चों के इस हुनर की मुक्त कंठ से सराहना की।

कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंह देव, कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर रमनलाल, जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम नागरिक मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950